▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 96 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 31-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

90% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए
1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

आवेदन की अंतिम तिथि
04 नवम्बर, 2025

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹18.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹43.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.cmjanawaas.com

86 87 88 22 22

विकासकर्त्ता -
नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

एसोचैम ने बजट में कर सरलीकरण, युक्तिकरण के लिए सरकार को सुझाव दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग मंडल एसोचैम ने बृहस्पतिवार को आगामी आम बजट के लिए केंद्र सरकार को कर सरलीकरण एवं युक्तिकरण जैसे कई सुझाव दिए ताकि कारोबारी सुगमता बढ़ने के साथ देश में निवेश को और प्रोत्साहन मिल सके।

एसोचैम के प्रतिनिधियों ने राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव से मुलाकात कर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों से संबंधित अपने सुझावों का ज्ञापन सौंपा।

उद्योग मंडल ने नए विनिर्माण उपक्रमों के लिए 15 प्रतिशत की रियायती कर दर को फिर से लागू करने का प्रस्ताव रखा है। आयकर अधिनियम की धारा 115बीएबी के तहत मार्च, 2024 तक पंजीकृत कंपनियों को यह सुविधा पहले भी उपलब्ध थी। इसके अलावा, एसोचैम ने दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत ऋण माफी को कर-योग्य आय न मानने का सुझाव भी दिया। संगठन का कहना है कि ऐसा कदम समाधान प्रक्रिया को सुगम बनाएगा।

अप्रत्यक्ष करों के मोर्चे पर, एसोचैम ने सीमा शुल्क के तहत एक समग्र कर माफी योजना लाने की सिफारिश की है, जिससे करदाताओं को पुराने विवाद निपटाने का अवसर मिल सके।

एसोचैम ने यह भी कहा कि सीमा शुल्क अधिनियम में समयसीमा के युक्तिकरण और सीमा-शुल्क अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (सीएएआर) की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2026 को संसद में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगी।

बीएसएनएल ने दूसरी तिमाही में लक्षित राजस्व का 93% किया हासिल : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में अपने लक्षित राजस्व का 93 प्रतिशत यानी 5,347 करोड़ रुपए हासिल कर लिया। बीएसएनएल की तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कंपनी का राजस्व 11,134 करोड़ रुपए रहा।

सिंधिया ने कहा, '' इस (जुलाई-सितंबर) तिमाही में हमने अपने लक्ष्य का 93 प्रतिशत राजस्व हासिल कर लिया। हमने 5,740 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा था जिसमें से हमने 5,347 करोड़ रुपए हासिल कर लिए। इसलिए, हम उस बड़े लक्ष्य के काफी करीब हैं जो हमने पिछले साल की आय में उछाल के आधार पर अपने लिए तय किया था।'' मंत्री ने कहा कि समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में बीएसएनएल का लक्ष्य राजस्व को 20 प्रतिशत बढ़ाकर 27,500 करोड़ रुपए करना है।

मंत्री ने कहा, '' हमारा एआरपीयू भी बढ़ा है। इस वर्ष की पहली तिमाही में यह 81 रुपए था, जो इस वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 91 रुपए हो गया है। इस प्रकार एआरपीयू में 12 प्रतिशत का सुधार हुआ है।''

प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) किसी दूरसंचार संचालक की वृद्धि को मापने का एक प्रमुख पैमाना है।

मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र, केरल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, अंडमान और निकोबार, और जम्मू-कश्मीर ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है जहां एआरपीयू 214 रुपए तक पहुंच गया।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश, झारखंड और कोलकाता जैसे क्षेत्रों के प्रदर्शन पर चिंता जाहिर की जहां एआरपीयू 60 रुपए के दायरे में है।

'मोंथा' चक्रवात के कारण कृष्णा नदी पर बने बांधों का जलस्तर बढ़ा, खोलने पड़े फाटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के प्रभाव से हुई व्यापक भारी बारिश से कृष्णा नदी पर बने पुलिचिंतला बांध और प्रकाशम बैराज में जल स्तर काफी बढ़ गया है जिसके कारण इनके फाटक खोलकर नदी में पानी छोड़ना पड़ा। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि बांध में आने वाले पानी का प्रवाह और बढ़ सकता है, इसलिए इस जल प्रवाह के घटने से पहले नदी के किनारे निचले इलाकों में बसे गांवों के लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों को नदी में नौकायन करने, तैरने या मछली पकड़ने से पूरी तरह बचना चाहिए। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने बताया कि प्रकाशम बैराज में जल प्रवाह 2.74 लाख क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) तक पहुंच गया है और इतनी ही मात्रा में जल नदी में छोड़ा जा रहा है। जैन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, भारी बारिश के कारण कृष्णा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। पुलिचिंतला (परियोजना) और प्रकाशम बैराज से पानी छोड़ा जा रहा है।

आपदा प्रबंधन अधिकारी ने कहा कि विजयवाड़ा के प्रकाशम बैराज पर बृहस्पतिवार शाम तक प्रथम स्तर की चेतावनी जारी की जा सकती है। इसी के साथ बैराज में जल प्रवाह का स्तर पांच लाख क्यूसेक तक पहुंच सकता है जिसके बाद धीरे-धीरे यह कम हो जाएगा।

इस बीच, जैन ने निचले इलाकों के गांवों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी और लोगों को आगाह किया कि वे नदी में नौकायन करने, तैरने या मछली पकड़ने के लिए नहीं जाएं।

राहुल गांधी जब भी मुंह खोलते हैं, कांग्रेस को झटका लगता है : किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने वाली राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर बृहस्पतिवार को उन पर पलटवार किया और दावा किया कि उनकी टिप्पणियों से कांग्रेस के ''अच्छे नेता'' भी शर्मिंदा हैं।

राहुल गांधी ने बुधवार को बिहार में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए दावा किया था कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं और यहां तक कि वह मंच पर नाच भी सकते हैं।

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (एनईवीए) पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के मौके पर रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''राहुल गांधी की टिप्पणियों से कांग्रेस पार्टी को नुकसान ही हुआ है। कांग्रेस में अच्छे लोग भी उनकी टिप्पणियों से शर्मिंदा हैं। कोई भी नेता ऐसी भाषा नहीं बोल सकता।''

रीजीजू ने कहा कि अगर राहुल गांधी इसी तरह बोलते रहे तो इस देश के लोग कभी भी कांग्रेस को सत्ता में वापस नहीं लाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''कांग्रेस के लोग चिंतित हैं क्योंकि जब भी राहुल गांधी अपना मुंह खोलते हैं, पार्टी को नुकसान ही होता है। देश प्रगति कर रहा है, लेकिन कांग्रेस को लगातार झटके लग रहे हैं।''

आंध्र प्रदेश में चक्रवात 'मोंथा' से कम से कम 5,265 करोड़ रुपए का नुकसान : नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाल ही में आए भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कारण राज्य को कम से कम 5,265 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों और विभागों को हुए नुकसान की सूची दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क एवं भवन विभाग (आरएंडबी) को 2,079 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

नायडू ने कहा, ''हमारे प्रारंभिक अनुमान के अनुसार कुल मिलाकर 5,265 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसमें से कृषि क्षेत्र में 829 करोड़ रुपए, बागवानी में 40 करोड़ रुपए और रेशम उत्पादन में 65 लाख रुपए की हानि हुई।''

मुख्यमंत्री के अनुसार, मत्स्य पालन क्षेत्र को 1,270 करोड़ रुपए, नगर निगम विभाग को 109 करोड़ रुपए, जल संसाधन विभाग को 207 करोड़ रुपए, ग्रामीण जलापूर्ति विभाग को 1.2 करोड़ रुपए, पंचायत राज विभाग को नौ करोड़ रुपए और महिला एवं बाल कल्याण विभाग को 1.52 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि आरएंडबी की सड़कों के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और उनमें गड्ढे हो गए हैं। नायडू ने कहा कि नुकसान पर एक रिपोर्ट केंद्र को भेजी जाएगी तथा अन्य नुकसानों को ध्यान में रखते हुए इसे अद्यतन भी किया जाएगा।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 16 महीनों में प्रौद्योगिकी को अद्यतन किया है जो चक्रवात का पहले से आकलन करने में उपयोगी साबित हुई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, चक्रवात 'मोंथा' ने नेल्लोर, बापटला और प्रकाशम जैसे जिलों को प्रभावित किया तथा काकीनाडा में अपेक्षा से बहुत अधिक बारिश हुई।

एयर इंडिया एक्सप्रेस अभी वृद्धि एवं निवेश के चरण में: आलोक सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी अभी वृद्धि एवं निवेश के चरण में है और अब भी नेटवर्क में बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह एक लाभदायक व्यवसाय बनने जा रहा है।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस अभी घाटे में चल रही है। इसने एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) का अपने साथ विलय कर लिया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में वर्तमान में 110 विमान हैं। इनमें एयरबस ए320, 321 और बोइंग बी737 और बी737 मैक्स विमान शामिल हैं।

सिंह ने कहा, '' यह व्यवसाय के वृद्धि एवं निवेश का चरण है... हम अब भी नेटवर्क में बदलाव कर रहे हैं...'' उन्होंने कहा, ''... यह एक लाभदायक व्यवसाय होगा... यह निवेश का चरण है।'' सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी में 'एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2025' सम्मेलन में यह बात कही।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना चाहिए : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना होगा।

मंत्री ने यहां 'भारत समुद्री सप्ताह 2025' में दावा किया कि पुर्तगाल के वास्को डी गामा ने भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज नहीं की थी, बल्कि उन्होंने केवल गुजराती नाविकों का पीछा किया था। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन करने की क्षमता है और पिछले 11 वर्ष में भारत में इस क्षेत्र में अच्छी प्रगति हुई है।

मांडविया ने कहा, '' समुद्री क्षेत्र एक वैश्विक क्षेत्र है... भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए समुद्री क्षेत्र पर अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा।'' उन्होंने कहा कि भारत 18वीं शताब्दी तक एक बड़ी समुद्री शक्ति था जिसे बाद में ब्रिटिश शासन ने नष्ट कर दिया।

भारत का मात्रा के हिसाब से करीब 95 प्रतिशत व्यापार तथा मूल्य के हिसाब से 70 प्रतिशत व्यापार समुद्र के रास्ते होता है।

मंत्री ने कहा कि जो देश समुद्र पर राज करते हैं, वे दुनिया पर राज करते हैं। इसलिए सरकार जहाज निर्माण के लिए परिवेश तैयार करने पर काम कर रही है।

भारत में 2022 में पीएम 2.5 प्रदूषण से 17 लाख से अधिक मौतें : लांसेट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2022 में भारत में मानवजनित पीएम 2.5 वायु प्रदूषण के कारण 17 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई जो 2010 की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। इनमें से लगभग 44 प्रतिशत मौतों के पीछे जीवाश्म ईंधन का उपयोग जिम्मेदार रहा। यह जानकारी द लांसेट पत्रिका में प्रकाशित एक वैश्विक रिपोर्ट में दी गई है। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्ट' के अनुसार, सड़क परिवहन में पेट्रोल के उपयोग से ही करीब 2.69 लाख मौतें हुईं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में बाहरी वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले होने वाली मौतों से भारत को 339.4 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का लगभग 9.5 प्रतिशत) का आर्थिक नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नेतृत्व में 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के 128 विशेषज्ञों की अंतरराष्ट्रीय टीम ने तैयार की है।

यह रिपोर्ट 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी30) से पहले प्रकाशित की गई है और जलवायु परिवर्तन तथा स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक का सबसे व्यापक आकलन मानी जा रही है। रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब दिल्ली में लगातार वायु गुणवत्ता 'खराब' से 'बेहद खराब' श्रेणी के बीच बनी हुई है। बीते सप्ताह प्रदूषण से निपटने के लिए बुराड़ी, करोल बाग और मयूर विहार जैसे इलाकों में क्लाउड सीडिंग (कृत्रिम वर्षा) के प्रयोग किए गए, लेकिन पर्यावरण विशेषज्ञों ने इसे अल्पकालिक उपाय बताते हुए कहा कि यह वायु गुणवत्ता में गिरावट के मूल कारणों को हल नहीं करता। रिपोर्ट में कहा गया, भारत में 2022 में मानवजनित (एंथ्रोपोजेनिक) वायु प्रदूषण (पीएम2.5) से 17,18,000 मौतें हुईं, जो 2010 की मौतों की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक हैं। इनमें से 7,52,000 (44 प्रतिशत) मौतें जीवाश्म ईंधन (कोयला और तरल गैस) के उपयोग से जुड़ी थीं।

लेखकों के अनुसार, भारत में सड़क परिवहन ऊर्जा का 96 प्रतिशत हिस्सा अब भी जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर है, जबकि बिजली का योगदान केवल 0.3 प्रतिशत है। वर्ष 2022 में देश की कुल ऊर्जा आपूर्ति में कोयले का हिस्सा 46 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में तीन-चौथाई (75%) रहा, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा का योगदान क्रमशः केवल दो प्रतिशत और 10 प्रतिशत था। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कदम न उठाना लोगों के जीवन, स्वास्थ्य और आजीविका को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की निम्न-कार्बन बदलाव की तैयारी 2023 की तुलना में दो प्रतिशत घटी है।

अपहृत 27 दिन के शिशु को बचाया गया, निःसंतान दम्पति सहित पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिमी दिल्ली के पैसिफिक मॉल के पास 27 दिन के एक नवजात शिशु का कथित तौर पर अपहरण करने के आरोप में एक निःसंतान दंपति, एक घरेलू सहायक और दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आठ अक्टूबर को एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सुभाष नगर के पास तड़के उसके नवजात शिशु का अपहरण कर लिया गया है। अधिकारी ने कहा, कई टीमों ने जांच शुरू की। जांच के दौरान, पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और पाया कि सुबह करीब पांच बजे दो लोग एक स्कूटर पर बच्ची के साथ जा रहे थे। बाद में पता चला कि गाड़ी नारायणा से चोरी हुई थी।

पुलिस ने स्कूटर के जरिए अनिल तक पहुंची जिसने इसे विकास उर्फ रायन नाम के एक आरोपी से लिया था, जो इस समय एक अन्य मामले में जेल में बंद है। अधिकारी ने बताया कि बाद में इसे एक नाबालिग को सौंप दिया गया, जिसने पूछताछ में अपहरण की पूरी साजिश का खुलासा कर दिया।

कृत्रिम बारिश एसओएस उपाय, मानव और पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं : आईआईटी कानपुर निदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आईआईटी-कानपुर के निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने कहा है कि कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) अत्यधिक प्रदूषण से निपटने के लिए एक संकटकालीन (एसओएस) उपाय है और यह तकनीक मनुष्यों या पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं है, क्योंकि इसमें बारिश कराने के लिए रसायनों की बहुत कम मात्रा का उपयोग होता है।

अग्रवाल की टीम ने हाल ही में दिल्ली में कृत्रिम बारिश परीक्षणों का नेतृत्व किया था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के निदेशक ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि हालांकि दोनों प्रयासों से कृत्रिम वर्षा नहीं हुई, लेकिन इससे भविष्य के कार्यों के लिए मूल्यवान डेटा और वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। उन्होंने कहा, ''इससे हमें कृत्रिम बारिश के लिए इस्तेमाल की गई सामग्री की मात्रा, बादलों की नमी और उनके ज़मीनी स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच के संबंध को समझने में मदद मिलती है। इससे हमें भविष्य के कार्यों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।'' अग्रवाल ने बताया कि बादलों में नमी की मात्रा कम होने के कारण यह कवायद रोक दी गई। उन्होंने कहा, ''हमें बादलों में कम से कम 30 से 50 प्रतिशत नमी की आवश्यकता है। चूंकि यह उपलब्ध नहीं थी, इसलिए हमने स्थिति में सुधार होने तक प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया।'' अग्रवाल ने कहा कि अनुकूल मौसम होने पर परीक्षण पुनः शुरू किए जाएंगे।

बीड में बैंक शाखा में सेंधमारी कर 18.5 लाख रुपए की चोरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीड/भाषा। महाराष्ट्र के बीड जिले में बृहस्पतिवार तड़के चोरों ने सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक की शाखा में सेंधमारी करके 18.5 लाख रुपए चुरा लिए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना पाली में तड़के करीब तीन बजे की है, जब चोरों ने धुलेसोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बैंक शाखा के मुख्य लॉकर को गैस कटर से काट दिया। पुलिस के अनुसार, चोर नकदी लेकर फरार हो गए। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से नमूने और अन्य साक्ष्य एकत्र किए हैं, जबकि पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। बीड (ग्रामीण पुलिस) के निरीक्षक मारुति खेडकर ने बताया कि चोरी के संबंध में मामला दर्ज किया जा रहा है और चोरों की तलाश जारी है।

कोबरापोस्ट ने अनिल अंबानी के समूह पर लगाया 41,900 करोड़ रुपए के दुरुपयोग का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खोजी ऑनलाइन मंच 'कोबरापोस्ट' ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों ने अपने कोष को दूसरी जगह भेजकर वर्ष 2006 से अब तक करीब 41,921 करोड़ रुपए का वित्तीय फर्जीवाड़ा किया है। हालांकि, रिलायंस समूह ने इन आरोपों को 'दुष्प्रचार अभियान एवं साजिश' बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया।

कोबरापोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि करीब 28,874 करोड़ रुपए की रकम बैंक ऋण, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और बॉन्ड के जरिये जुटाई गई थी। इस रकम को रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस कैपिटल, रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और रिलायंस कॉरपोरेट एडवाइजरी सर्विसेज जैसी सूचीबद्ध कंपनियों से निकालकर प्रवर्तक से जुड़ी फर्मों में भेज दिया गया। इस रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि करीब 1.535 अरब डॉलर (करीब 13,047 करोड़ रुपए) विदेशी मुखौटा कंपनियों के मार्फत भारत में 'धोखाधड़ीपूर्ण तरीके' से भेजे गए। इसके लिए सिंगापुर, मॉरीशस, साइप्रस, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, अमेरिका और ब्रिटेन में पंजीकृत इकाइयों का इस्तेमाल किया गया।

कोबरापोस्ट का दावा है कि सिंगापुर स्थित कंपनी 'इमर्जिंग मार्केट इन्वेस्टमेंट्स एंड ट्रेडिंग पीटीई (ईएमआईटीएस)' को 'रहस्यमयी' कंपनी नेक्सजेन कैपिटल से 75 करोड़ डॉलर मिले थे जिन्हें बाद में रिलायंस इनोवेंचर्स (समूह की मूल कंपनी) को स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, बाद में यह कंपनी भंग कर दी गई। पोर्टल ने कहा कि यह लेनदेन धनशोधन की श्रेणी में आ सकता है। यह रिपोर्ट कंपनी अधिनियम, धनशोधन निवारक अधिनियम (पीएमएलए), विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), सेबी अधिनियम और आयकर कानून के उल्लंघनों का हवाला देते हुए कहती है कि ये निष्कर्ष सरकारी अभिलेखों, मंत्रालयों, नियामकीय संस्थाओं और विदेशी न्यायालयों के आदेशों पर आधारित हैं। कोबरापोस्ट ने अपनी जांच में यह आरोप भी लगाया कि रिलायंस समूह ने कंपनियों के कोष का दुरुपयोग व्यक्तिगत विलासिता के लिए किया। वर्ष 2008 में एक सूचीबद्ध कंपनी के जरिये दो करोड़ डॉलर का एक याट (नौका) भी खरीदा गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
आवश्यकता
INVESTMENT PARTNER
Looking for Business Investment Partners for SDT Computer Education @ Jayanagar 4th Block For more details, Please Contact
79756 82244

किसानों के लिए बेहतर समाधान निकालने का प्रयास किया जायेगा: मुख्यमंत्री फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार किसानों के साथ खड़ी है और बृहस्पतिवार शाम को पूर्व विधायक बच्चू कडू के साथ होने वाली बैठक में उनके लिए बेहतर समाधान निकालने का प्रयास करेगी। प्रहार जनशक्ति पार्टी के नेता कडू कृषि ऋण माफी के लिए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनका ट्रैक्टर मार्च सोमवार को यहां चंदूर बाजार से शुरू हुआ था और मंगलवार शाम नागपुर पहुंचने से पहले वर्धा में रुका।

फडणवीस ने कहा, ''दोनों उपमुख्यमंत्री (एकनाथ शिंदे और अजित पवार) बैठक में शामिल होंगे। मैंने सभी से आग्रह किया है कि कोई अड़ियल रुख न अपनाएं। हमें किसानों के हित में काम करना चाहिए। राज्य सरकार किसानों के साथ है और हम आज की बैठक में उनके लिए बेहतर समाधान खोजने का प्रयास करेंगे।'' फडणवीस ने कडू और किसान आंदोलन के अन्य नेताओं से कहा था कि वे अपनी मांगों पर चर्चा के लिए मुंबई आएं, न कि विरोध प्रदर्शन करें। एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से बात करते हुए कडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अन्य किसान नेताओं के साथ शाम सात बजे मुंबई में मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात करेंगे। कडू ने कहा, ''महत्वपूर्ण मुद्दा गरीब किसानों की पूर्ण ऋण माफी का है। मुझे उम्मीद है कि आज एक अच्छा निर्णय सामने आएगा।''

RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 96 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 31-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार अंधकार के युग से प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ : नड्डा

6 बिहार अंधकार के युग से प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ : नड्डा

7 मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं : आयुष्मान खुराना

फर्स्ट टेक

अब मलेशिया में भी किया जा सकेगा जल्द यूपीआई का इस्तेमाल

बेंगलूरु। मलेशिया की यात्रा करने वाले भारतीय बहुत जल्द अब पेमेंट के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल कर पाएंगे। 'रेजरपे' की ओर से गुरुवार को यह घोषणा भारत के डिजिटल पेमेंट इनोवेशन को वैश्विक स्तर पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप के रूप में की गई। रेजरपे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इनोवेशन की कोई सीमा नहीं होती। भारत की फिनटेक लीडरशिप में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। कंपनी द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, रेजरपे की मलेशियाई सब्सिडियरी कर्लेक और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड के बीच एक साझेदारी हुई है। इस एग्रीमेंट को 7 से 9 अक्टूबर तक चले ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान फाइनल किया गया, जो कि यूपीआई को देश की सीमाओं के बाहर भी स्वीकार करने को लेकर एक मील का पत्थर है।

ट्रंप ने शी चिनफिंग से मुलाकात के बाद चीन पर शुल्क में की कटौती

बुसान (दक्षिण कोरिया)/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने चीन के अपने समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बातचीत के बाद चीनी वस्तुओं के आयात पर शुल्क दरों को घटाकर 47 प्रतिशत करने का फैसला किया है। ट्रंप ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि उन्होंने वार्ता के बाद वर्तमान दर को 57 प्रतिशत से कम करने का निर्णय लिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने बैठक से पहले शुल्क में भारी बढ़ोतरी करने की धमकी दी थी। हालांकि बैठक के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ी।

गौ रक्षा आंदोलन ने गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग की

जम्मू/भाषा। गौरक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले संगठन गौरक्षा आंदोलन ने बृहस्पतिवार को सरकार से गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग करते हुए घोषणा की कि वह अपनी इस मांग पर जोर देने के लिए तीन नवंबर को यहां सचिवालय का घेराव करेगा। गौरक्षा आंदोलन ने हिंदू धर्म में पवित्र मानी जाने वाली गायों की रक्षा के लिए पूरे भारत में कई आंदोलन चलाए हैं। योग गुरु विजयकृष्ण पराशर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम मांग कर रहे हैं कि सरकार गाय को राष्ट्र माता घोषित करे। पूरा देश, खासकर हिंदू, उसे गौ माता मानते हैं।'' उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया गया है।

31-10-2025 सूर्यास्त 5:53 बजे | 01-11-2025 सूर्योदय 6:13 बजे

BSE	NSE
84,404.46	25,877.85
(-592.67)	(-176.05)

सोना	चांदी
12,603 रु.	150,894 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

आए चुनाव लो शुरू हुआ,
तू-तू मैं-मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

भारत निवेश के लिए एक आदर्श स्थान : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भारत के समुद्री क्षेत्र में निवेश करने के लिए बृहस्पतिवार को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत के पास बुनियादी ढांचा एवं नवाचार है और वह इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने का इरादा भी रखता है।

मोदी ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' में लिखा कि सरकार ने कानूनों को सरल बनाया है। बंदरगाहों का विकास किया है और समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपए के एक व्यापक 'पैकेज' को मंजूरी दी है जिसमें जहाज निर्माण को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने बुधवार शाम मुंबई में 'मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव' को संबोधित किया था और इस क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) तथा अग्रणी हितधारकों के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि 2014 में उनके सत्ता में आने के बाद से समुद्री क्षेत्र ने बुनियादी ढांचे, सुधारों और जन भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई बदलाव देखे हैं।

मोदी ने कहा, '' आज यह क्षेत्र आधुनिक बुनियादी ढांचे, वैश्विक विश्वास और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में तब्दील हो गया है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, '' मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत निवेश के लिए एक आदर्श स्थान है। हमारे पास बहुत लंबी तटरेखा है। हमारे पास रणनीतिक वैश्विक व्यापार मार्ग हैं, हमारे पास विश्वस्तरीय बंदरगाह हैं और हमारे पास नीली अर्थव्यवस्था की वृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण है। हमारे पास बुनियादी ढांचा, नवाचार और उसे हासिल करने का जज्बा है।'' मोदी ने कहा कि 'बिल ऑफ लैडिंग बिल' से लेकर भारतीय बंदरगाह विधेयक (2025) तक पांच ऐतिहासिक विधेयकों ने समुद्री शासन को आधुनिक बनाया है। व्यापार को सरल बनाया है, राज्यों को सशक्त बनाया है और भारत को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया है। उन्होंने कहा, '' इस वृद्धि को गति देने के लिए सरकार ने समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपए के व्यापक 'पैकेज' को मंजूरी दी है।''

- सरकार ने समुद्री क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपए के व्यापक 'पैकेज' को मंजूरी दी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत अगले प्रधान न्यायाधीश नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बृहस्पतिवार को भारत का 53वां प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया और वह 24 नवंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके उनकी नियुक्ति की घोषणा की।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति भूषण आर. गवई का स्थान लेंगे, जो 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत लगभग 15 महीने तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहेंगे और 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 9 फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के उच्चतम न्यायालय के श्री न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 24 नवंबर, 2025 से भारत का प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया है।''

नेताजी की मृत्यु विमान दुर्घटना में नहीं हुई थी : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनाथपुरम /भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका मानना है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु विमान दुर्घटना में नहीं हुई थी, हालांकि उनके पास इसे साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है।

उपराष्ट्रपति ने पसुम्पोन में थेवर के स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से कहा, ''मेरे पास कोई सबूत नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि बोस की मृत्यु उस विमान दुर्घटना में नहीं हुई थी, क्योंकि नेताजी के अनुयायी एवं स्वतंत्रता सेनानी पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर ने ऐसा कहा था। उन्होंने कहा था, 'नेताजी की मृत्यु उस विमान दुर्घटना में नहीं हुई थी, और मैं उनसे मिला था'।'' उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें थेवर की बातों पर विश्वास है क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में कभी झूठ नहीं बोला।

राधाकृष्णन ने कहा, ''उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा में भी आध्यात्मिकता का मार्ग अपनाया, यही उनकी महानता थी।''

बृहस्पतिवार को थेवर की 63वीं 'गुरु पूजा' और 118वीं जयंती मनाई गई। उनका जन्म 30 अक्टूबर, 1908 को हुआ था और 30 अक्टूबर, 1963 को उनका निधन हो गया था।

राधाकृष्णन ने यह भी बताया कि जब पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्रता आंदोलन में थेवर के योगदान के सम्मान में उन्हें मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, तो थेवर ने इनकार कर दिया था।

राधाकृष्णन ने कहा, ''उन्होंने (थेवर) नेहरू से कहा था कि वह बस इतना चाहते हैं कि नेताजी के साथ न्याय हो।'' उपराष्ट्रपति पदभार ग्रहण करने के बाद राधाकृष्णन पहली बार तमिलनाडु के दौरे पर हैं।

मुंबई में बंधक बनाए गए 17 बच्चों को मुक्त कराया गया, आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- बच्चों को बंधक बनाने के आरोपी की पहचान 50 वर्षीय रोहित आर्य के रूप में हुई।

मुंबई/भाषा। मुंबई के पवई इलाके में बृहस्पतिवार को एक स्टूडियो के अंदर बंधक बनाए गए 17 बच्चों और दो व्यक्तियों को मुक्त करा लिया गया और इस अभियान के दौरान पुलिस गोलीबारी में घायल हुए आरोपी ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बच्चों को बंधक बनाने के आरोपी की पहचान 50 वर्षीय रोहित आर्य के रूप में हुई।

एक अधिकारी ने बताया कि आर्य पर पुलिस ने उस समय गोली चलाई जब वह 'एयर गन' से बच्चों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि बाद में अस्पताल में आर्य की मौत हो गई।

घटना के बारे में जब अमरावती में पत्रकारों ने पूछा तो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जल्द ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उनके पास गृह विभाग भी है।

पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे ने बताया, ''दोपहर करीब डेढ़ बजे पवई पुलिस थाने को सूचना मिली कि महावीर क्लासिक बिल्डिंग में एक व्यक्ति ने 17 बच्चों को बंधक बना लिया है। मुंबई पुलिस की टीम ने बचाव अभियान चलाया और सभी बच्चों को सुरक्षित मुक्त करा लिया। बच्चों को मुक्त कराने के अभियान के दौरान आरोपी घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया और बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया।''

संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) सत्यनारायण ने कहा, ''सभी बच्चे सुरक्षित हैं।''

बृहस्पतिवार दोपहर एलएंडटी बिल्डिंग के पास आर ए स्टूडियो में एक घंटे से ज्यादा समय तक नाटकीय स्थिति बनी रही।

अधिकारी के अनुसार, आर्य ने लगभग 15 वर्ष की आयु के लड़कों और लड़कियों को एक वेब सीरीज के 'ऑडिशन' के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया कि आर्य के पास एक 'एयर गन' और कुछ रसायन भी थे।

शुरुआत में पुलिस ने यह नहीं बताया कि अभियान के दौरान गोलीबारी हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि शाम 5:15 बजे आर्य को मृत घोषित किया गया।

पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि महावीर क्लासिक बिल्डिंग में आर ए स्टूडियो के अंदर एक व्यक्ति ने बच्चों को बंधक बना लिया है।

सरकार बजट सत्र में सख्त बीज कानून पेश करेगी : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार अगले साल की शुरुआत में संसद के बजट सत्र के दौरान बीज की गुणवत्ता को विनियमित करने के लिए कड़े प्रावधानों वाला कानून पेश करने की योजना बना रही है।

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि इन संशोधनों का उद्देश्य कृषक समुदाय के लिए गुणवत्तापूर्ण इनपुट सुनिश्चित करना है। मंत्री ने कहा कि देश की लगभग 46 प्रतिशत आबादी अभी भी अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है और किसानों की बेहतर आय सुनिश्चित करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

चौहान ने कहा, ''हम संसद के बजट सत्र (2026 की शुरुआत में) में बीज कानून लाने जा रहे हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि घटिया गुणवत्ता वाले बीजों की बिक्री और वितरण पर रोक लगाने के लिए कड़े प्रावधान होंगे। उन्होंने कहा कि आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों की अनुमति नहीं है और बेहतर किस्मों को विकसित करने के लिए अनुसंधान चल रहा है।

केंद्र सरकार के स्तर पर बीज अधिनियम में संशोधन पर अभी भी सक्रिय रूप से काम चल रहा है, लेकिन अभी तक इसे औपचारिक रूप से अधिनियमित या कानून के रूप में अधिसूचित नहीं किया गया है।

सरकार का ध्यान, बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और घटिया या नकली बीजों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए अनिवार्य ट्रेसेबिलिटी (उत्पत्ति स्थल), प्रमाणन और गुणवत्ता नियंत्रण प्रावधानों को लागू करने पर केंद्रित है।

परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है अमेरिका

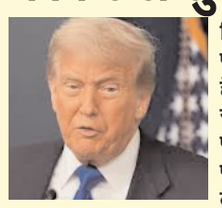

बुसान (द.कोरिया)/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनका देश तीन दशकों में पहली बार परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह परीक्षण रूस और चीन के ''समान स्तर'' पर किया जाएगा।

ट्रंप ने अपने बयान में अमेरिकी नीति में संभावित बड़े बदलाव की बहुत कम जानकारियां दी हैं।

ट्रंप ने यह घोषणा बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात से कुछ मिनट पहले अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर की।

अमेरिकी सेना पहले से ही परमाणु मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइलों के परीक्षण करती रही है, लेकिन 1992 से अमेरिका ने परमाणु विस्फोट परीक्षणों पर रोक लगा रखी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अब बदलाव जरूरी है क्योंकि अन्य देश हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह किन देशों की बात कर रहे हैं, लेकिन यह बयान शीत युद्ध काल जैसी परमाणु होड़ की याद दिलाता है।

उन्होंने कहा, ''अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि हमारे परमाणु हथियारों का समान स्तर पर परीक्षण शुरू करें। यह प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।''

पुष्कर कॉरिडोर पर जल्द कार्य शुरू किया जाएगा : दीया कुमारी

जयपुर/भाषा। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पुष्कर कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी हो चुकी है और इस पर जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा।

दीया कुमारी अजमेर जिले के पुष्कर में आयोजित विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेले के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार पुष्कर की वैश्विक पहचान को और सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। प्रस्तावित पुष्कर कॉरिडोर का विकास केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के तहत किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य पुष्कर सरोवर में जल स्तर बनाए रखना और मार्ग के किनारे स्थित धार्मिक स्थलों का संरक्षण एवं उन्नयन करना है।'' उन्होंने घोषणा की कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देने के लिए 19 नवंबर को प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर 'घूमर महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा।

रूस ने यूक्रेनी ऊर्जा ढांचों को फिर निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने एक बार फिर ड्रोन और मिसाइल से बड़े पैमाने पर हमला करके यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, जिसके कारण बृहस्पतिवार को पूरे देश में बिजली गुल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेनी प्रधानमंत्री ने रूस की इस रणनीति को ''व्यवस्थित ऊर्जा आतंक'' बताया। इन हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए।

रूस कड़ाके की सर्दी शुरू होने के साथ ही यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचा रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने हमले में 650 से ज्यादा ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 50 से अधिक मिसाइलें दागीं। यूक्रेन के शहर पानी, सीवेज और 'हीटिंग सिस्टम' चलाने के लिए केंद्रीकृत सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हैं और बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ये काम नहीं कर पाते। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने कहा, ''रूस अपना व्यवस्थित ऊर्जा आतंक जारी रखे हुए है और सर्दियां शुरू होते ही यूक्रेनवासियों के जीवन और गरिमा पर प्रहार कर रहा है।

प्रधानमंत्री 'डरपोक' हैं, यह कहने का दम नहीं कि ट्रंप 'झूठे' हैं: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राहुल गांधी ने दावा किया, ''नरेन्द्र मोदी जी के हाथ में नीतीश जी का रिमोट कंट्रोल है। वह जो बटन दबाते हैं, वही चैनल नीतीश चालू कर देते हैं।''

नालंदा/शेखपुरा (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रुकवाने का दावा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 50 बार अपमान किया है, लेकिन मोदी 'डरपोक' हैं और उनमें यह कहने का दम नहीं है कि ट्रंप ''झूठे'' हैं। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरे दिन दो जनसभाओं को संबोधित किया और यह दावा भी किया कि बिहार में सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नहीं चला रहे हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और 'नागपुर' (आरएसएस) चला रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आखिरी मिनट पर 'वोट चोरी' करने का प्रयास होगा, लेकिन बिहार के युवाओं को पूरा दम लगाकर इसे रोकना है। उन्होंने बिहार की जनता से यह वादा भी किया कि केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने पर नालंदा को फिर शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा तथा बिहार में महागठबंधन की सरकार सभी वर्गों के लिए काम करेगी। कांग्रेस नेता ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने संबंधी ट्रंप के दावे का हवाला देते हुए कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति ने 50 बार भारत के प्रधानमंत्री का अपमान किया...ट्रंप ने कहा है कि मैंने मोदी को फोन पर 'ऑपरेशन सिंदूर' बंद करने के लिए कहा। नरेन्द्र मोदी ने दो दिनों में 'ऑपरेशन सिंदूर' बंद कर दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि सात विमान गिराए गए।

ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए बने प्रकोष्ठ : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकास के साथ-साथ विरासत का संरक्षण के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार आस्था धामों और पर्यटक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, प्राचीन धरोहर और धार्मिक पर्यटक स्थलों के विकास और पुनर्विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए विशेष प्रकोष्ठ के गठन के लिए निर्देशित भी किया।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पूंछरी का लौठा और तनोट माता मंदिर के विकास और पुनर्विकास कार्यों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन से परिचित कराने तथा उनके शौर्य की गाथा जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है। इस सर्किट में महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों जैसे, चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर, उदयपुर आदि को सम्मिलित किया गया है, जिसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चावंड में महाराणा प्रताप के समाधि स्थल को सुनियोजित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां प्रवेश द्वार और ब्रिज के कार्यों के संबंध में विशेष निर्देश प्रदान करते हुए पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप के स्वामीभक्त घोड़े चेतक के ऐतिहासिक एवं विशाल स्मारक की रूपरेखा के संबंध में विशेष दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए यहां श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर के प्रवेश द्वार और धर्मशाला के साथ ही संपर्क सड़कों के निर्माण के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा और गोवर्धन परिक्रमा के प्रगतिरत विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को निविदा प्रक्रिया में गति लाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न चरणों में विकसित होने वाले इस पावन धाम पर श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाएं।

हमारी सनातन संस्कृति में गौ माता का पूजनीय स्थान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गौ माता का हमारी सनातन संस्कृति में पूजनीय स्थान है। गोपाष्टमी का पर्व हमें गौ माता की सेवा करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि गौ माता हमारा गौरव है तथा जीवन का आधार है। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि गौ सेवा के लिए समर्पित होकर कार्य करें, साथ ही गोशालाओं से जुड़कर गौ संरक्षण के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

शर्मा गुरुवार को गोपाष्टमी के अवसर पर मांग्यावास स्थित सद्गुरु टेऊँराम गोशाला तथा रेनवाल स्थित जोतड़ा गोशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गौ माता हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। गौ उत्पादों का पोषण और पंचगव्य का औषधीय महत्व सर्वविदित है। ऐसे में गौ पूजन धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का एक माध्यम भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गौ माता के संवर्धन एवं उन्नयन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार द्वारा प्रत्येक पंजीकृत गौ शाला को प्रति गाय 50 रुपये प्रतिदिन और छोटे बछड़ों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि गौ संवर्धन के लिए बैलों से खेती करने वाले किसानों को भी 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष अनुदान राशि दी जा रही है।

शर्मा ने कहा कि गौ माता के संरक्षण एवं संवर्धन में संत-मुनि-महंतों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने गौ माता की रक्षा और सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि गौ सेवा को अपने जीवन का आधार बनाए तथा सरकार के साथ मिलकर गौ संरक्षण के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

गोपाष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री सबसे पहले सद्गुरु टेऊँराम गौ शाला पहुंचे। उन्होंने वहां सपत्नीक गौ माता की पूजा-अर्चना की तथा गौ माता के तिलक लगाकर गुड़ खिलाया। उन्होंने इस दौरान स्वामी भगतप्रकाश जी का स्वागत-अभिनन्दन भी किया। इसके पश्चात शर्मा ने जोतड़ा गौ शाला पहुंचकर रामकरणजी दास महाराज का माल्यार्पण किया। उन्होंने यहां सपत्नीक गौ पूजन किया तथा गायों को चारा खिलाकर गौ सेवा की। इस अवसर पर शर्मा का गौ सेवकों एवं आमजन ने स्वागत व अभिनन्दन भी किया। इसके बाद शर्मा ने परिसर में स्थित शिव मंदिर के भजन-कीर्तन में हिस्सा लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में गौ सेवक एवं आमजन मौजूद रहे।

हादसे में बच्चों को खोने वाली माताओं ने कराई नसबंदी समाप्त कराने की सर्जरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। झालावाड़ के पिपलोदी में एक स्कूल का हिस्सा ढहने की घटना में अपने बच्चों को खोने वाली दो माताओं बिंती बाई और राजू बाई ने नसबंदी समाप्त करने वाली सर्जरी कराई है जिसके बाद भविष्य में उनके घरों में फिर से किलकारियां गूंजने की उम्मीद जागी है। दोनों महिलाओं ने परिवार कल्याण पहल के तहत नसबंदी कराई थी। इस वर्ष 25 जुलाई को सरकारी स्कूल का एक हिस्सा उस समय ढह गया था जब छात्र सुबह की प्रार्थना के लिए एकत्र हो रहे थे। इस हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई थी और 28 घायल हो गए थे जिनमें से कुछ की हालत गंभीर थी।

राजू बाई के बेटे कार्तिक (10) की इस हादसे में मौत हो गई थी। उन्होंने पिछले महीने नसबंदी समाप्त कराने संबंधी सर्जरी कराई थी। वहीं बिंती बाई की बुधवार को सर्जरी हुई जिन्होंने स्कूल हादसे में अपने बेटे कान्हा (7) और बेटी मीना (10) को खो दिया था। झालावाड़ के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. साजिद खान ने कहा, अपने बच्चों को खोने के बाद दोनों माताएं गहरे सदमे और अवसाद में थीं। हमने उन्हें अपने मनोवैज्ञानिकों से परामर्श दिलाया और उन्हें नसबंदी समाप्त करने की सर्जरी के माध्यम से पुनः मातृत्व प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बताया, रीकैनलाइजेशन सर्जरी अत्यंत दुर्लभ मामलों में की जाती है, और हमने त्रासदी से प्रभावित परिवारों को आशा प्रदान करने के लिए इसे झालावाड़ में करने का निर्णय लिया।

डॉ. खान ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर दोनों महिलाओं को कोटा और जयपुर में आईवीएफ केन्द्रों से संपर्क कराया जाएगा। स्कूल हादसे के बाद शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और सांसद दुष्यंत सिंह ने जिलाधिकारी को इन दोनों महिलाओं की नसबंदी समाप्त करने की सर्जरी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे।

जिसके बाद जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ ने डॉ. खान को निर्देश दिया कि वे प्रक्रिया के लिए एक मेडिकल टीम गठित करें। इसके बाद, डॉ. खान ने झालावाड़ के हीरा बाई कंवर महिला चिकित्सालय में राजू बाई का ऑपरेशन करवाया। बुधवार को, इसी चिकित्सालय में डॉ. मधुरिमा वर्मा और उनकी टीम ने बिंती बाई का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया।

राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर में वार्षिक पुष्कर मेले के दौरान एक कलाकार प्रस्तुति देता हुआ।

पुष्कर पशु मेले में घोड़ों-ऊंटों का टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पुष्कर में चल रहे सालाना पशु मेले में बुधवार को घोड़ों एवं ऊंटों का टीकाकरण और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। यह टीकाकरण व स्वास्थ्य जांच अभियान मंधा स्टड्स, अश्व मित्रा व हैपीनेस फाउंडेशन ने राजस्थान पशुधन विभाग के सहयोग से संचालित किया। आयोजकों ने यहां एक बयान में बताया कि इस अभियान में बड़ी संख्या में घोड़ों-ऊँटों का टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण हुआ, जिससे पशुओं की रोग-रोकथाम तथा कल्याण सुनिश्चित हुआ।

अश्व विशेषज्ञ अजय विक्रम सिंह मंधा ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य घोड़ों एवं ऊँटों जैसे पारंपरिक व सांस्कृतिक महत्व वाले पशुओं के स्वास्थ्य, टीकाकरण एवं कल्याण सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि साथ ही इसके तहत पशु चिकित्सकों की निगरानी में पशुओं का टीकाकरण तथा स्वास्थ्य जांच करवाई गई। उन्होंने कहा कि पुष्कर मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि राजस्थान की अश्व-संस्कृति की धरोहर है। उन्होंने कहा, इस कल्याण अभियान के माध्यम से हम प्रत्येक घोड़े और ऊँट के स्वास्थ्य व देखभाल को सुनिश्चित करना चाहते हैं।

उल्लेखनीय है कि पुष्कर में यह सालाना मेला 23 अक्टूबर से शुरू हुआ और सात नवंबर तक चलेगा। मेले के लिए अब तक चार हजार से ज्यादा पशुओं का पंजीकरण हो चुका है जिनमें से ज्यादातर घोड़े और ऊंट हैं। मेले की आधिकारिक अवधि हालांकि 30 अक्टूबर से पांच नवंबर है।

प्रदेश के किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि आदान उपलब्ध कराना ही हमारी प्राथमिक्ता : किरोड़ी लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रबी फसल की बुवाई के मद्देनजर किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त कृषि आदान व बीज उपलब्ध कराने की मंशा से कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल लगातार खाद बीज की गुणवत्ता और कालाबाजारी के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को जारी रखते हुए पूरे प्रदेश में अमानक खाद, बीज और पेस्टिसाइड बनाने वाली फर्मों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर रहे हैं। कृषि मंत्री ने बताया कि जून माह में 3 व 4 जून को श्रीगंगानगर में 12 कृषि फर्मों का निरीक्षण किया गया, जिनमें निरीक्षकों द्वारा 8 फर्मों के 40 बीज नमूने लिए गये। इन 40 नमूनों में से 33 नमूनों को राजकीय बीज परीक्षण प्रयोगशाल ने मानक घोषित किये। 7 नमूने अमानक पाये जाने के कारण कुल 199.75 क्विंटल बीज जब्त किया गया। मानक पाये गये 11 नमूनों का ग्रो आउट टेस्ट कराये जाने पर 8 नमूने अमानक पाये गये। मैसर्स ओरा हाईब्रिड सीड्स इण्डिया प्रा. लि. श्रीगंगानगर का 95.63 क्विंटल और मैसर्स लक्ष्मी सीड्स श्रीगंगानगर का 57.27 कुल 110.90 क्विंटल बीज को राजसात कर राशि राजकोष में जमा करा दी गई है। शेष बीज राजसात के लिए प्रक्रियाधीन है।

बीज उत्पादक फर्म मैसर्स अमूल सीड्स श्रीगंगानगर का लाइसेंस रद्द किया गया है। साथ ही मैसर्स अमूल सीड्स, मैसर्स श्रीराम सीड्स प्रा.लि. और मैसर्स संगम सीड्स श्रीगंगानगर द्वारा रबी 2024-25 में उत्पादित रॉ बीज की मात्रा क्रमशः 4012.60 क्विंटल, 3259.60 क्विंटल और 1599.60 क्विंटल का इन्टेक भौतिक सत्यापन में पाई गई कमियों के कारण निरस्त किया गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा 27 व 28 सितम्बर को हनुमानगढ़ के सांगरिया में मैसर्स स्टार एग्री के गोडाउन में रखे मैसर्स राशि सीड्स प्रा. लि. के गेहूं बीज 8 हजार 569 क्विंटल के कुल 60 नमूने परीक्षण हेतु राजकीय बीज परीक्षण प्रयोगशाला में भिजवाकर 30 दिन के लिए विक्रय पर रोक लगाई गई है। इसी प्रकार मैसर्स स्टार एग्री सीड्स प्रा.लि. द्वारा उत्पादित सरसों बीज 63.50 क्विंटल बीज के विक्रय पर रोक लगाकर 2 नमूने लेकर राजकीय बीज परीक्षण प्रयोगशाला को भिजवाये गये हैं। कृषि मंत्री द्वारा सितम्बर माह में हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले में खरीफ 2025 में लिए गए बीज उत्पादन कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। जिसमें कई अनियमित्ताएं पाई गई। बीज उत्पादन कार्यक्रम के निरीक्षण में पाई गई कमियों व अनियमित्ताओं के कारण ग्वार का कुल 271.3 हैक्टेयर और मूंग का कुल 10 हैक्टेयर बीज उत्पादन कार्यक्रम निरस्त किया गया है।

बीज उत्पादक संस्था मैसर्स जयशंकर सीड्स का संपूर्ण बीज उत्पादनक कार्यक्रम में 222.9 हैक्टेयर ग्वार का, कृषक भारती कॉपरेटिव लिमिटेड का 10 हैक्टेयर मूंग का बीज उत्पादन, मैसर्स प्रियाली नैचूरल्स प्रा. लि. का 7.9 हैक्टेयर में ग्वार का उत्पादन, मैसर्स गणपति सीड्स का 7.6 हैक्टेयर बीज उत्पादन, मैसर्स भारत सीड्स का 6.8 हैक्टैयर, मैसर्स रामदेव सीड्स का 8 हैक्टेयर, मैसर्स श्रीराम सीड्स सॉल्यूशन का 8 हैक्टेयर, मैसर्स धारीवाल सीड्स का 6 हैक्टैयर और कृषि विकास सहकारी समिति लिमिटेड का 6 हैक्टेयर ग्वार बीज उत्पादन कार्यक्रम निरस्त किये गये हैं।

तीनों सेनाओं का सबसे बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास त्रिशूल शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर संभाग में पाकिस्तान से सटी भारत की पश्चिमी सीमा पर युद्ध जैसे हालात का अभ्यास करने के लिए भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने गुरुवार से 13 दिवसीय मेगा युद्धाभ्यास 'त्रिशूल' शुरू कर दिया है। इस अभ्यास में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना तीनों की युद्धक क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस विशाल युद्धाभ्यास से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है, जिसने एहतियातन अपने कुछ हवाई मार्गों को भी बंद कर दिया है। अभियान के तहत विकसित स्वदेशी हथियार प्रणालियों का भी परीक्षण किया जा रहा है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और काउंटर-ड्रोन सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रयोग भी शामिल है, जिससे भारतीय सेनाओं की तकनीकी क्षमता को और निखारा जा सके।

शत-प्रतिशत पूरी हों देवस्थान विभाग की बजट घोषणाएं : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट में की गई घोषणाओं की शत-प्रतिशत क्रिन्यावित के लिए पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शासन सचिवालय में देवस्थान विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में देवस्थान विभाग के सचिव डॉ. समित शर्मा, संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़, उप सचिव आलोक सैनी सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, देवस्थान विभाग के आयुक्त कन्हैयालाल स्वामी व विभाग के एडीसी बैठक में वर्चुअली जुड़े। बैठक में देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बजट वर्ष- 2024-25 व 2025-26 में विभाग के लिए की गई घोषणाओं की समीक्षा करते हुए प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए विभाग के मंदिरों में जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर का कार्य पूरा जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। डीपीआर बनाकर मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य पूरा करने के लिए आयुक्त की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। इसमें उप सचिव, जयपुर के एडीसी-प्रथम व द्वितीय, वितीय सलाहकार को शामिल किया गया है।

इसके अलावा आय वृद्धि के लिए देवस्थान विभाग की धर्मशालाओं, रिक्त पड़ी भूमि को कार्यक्रमों के आयोजन तथा कृषि योग्य भूमि को खेती के लिए लीज पर देने के भी निर्देशित किया गया। वहीं, देवस्थान विभाग में रिक्त पड़े पदों पर भर्ती करने, मंदिरों के पुजारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, मंदिरों का डाटा ऑनलाइन संधारित करने के भी निर्देश दिए गए । मंत्री कुमावत ने वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के तहत विभिन्न धार्मिक स्थलों के लिए जाने वाली ट्रेनों की रवानगी कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने के लिए कहा ।

राजस्थान में कई जगह हल्की बारिश, तापमान में गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बुधवार को कई स्थानों पर हल्की बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान कई जगह हल्की बारिश हुई। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में कुछ जगहों पर हल्की वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक वर्षा माउंट आबू (सिरोही) में 10.0 मिलीमीटर हुई। वहीं इस दौरान अधिकतम तापमान गंगानगर में 32.5 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान पाली में 15.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।इसके अनुसार राज्य के दक्षिणी व पूर्वी भागों में हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां 30 अक्टूबर को भी जारी रहने की संभावना है। हालांकि, इस दौरान भारी बारिश नहीं होगी। राज्य के उदयपुर, कोटा संभाग व आसपास के जिले में आगामी तीन-चार दिन बादल छाए रहने व हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। बाकी अधिकांश भागों में 31 अक्टूबर से आगामी तीन-चार दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। मौसम केंद्र के अनुसार, बारिश के प्रभाव से दक्षिणी व पूर्वी भागों में अधिकतम तापमान में 5 से 12 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है।

मुख्य सचिव ने वीसी में दिए जिला कलक्टर्स को सघन मॉनिटरिंग के निर्देश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में भवन और सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए शनिवार से प्रदेशभर में एक माह तक सघन निरीक्षण अभियान संचालित होगा। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश में इस अभियान में सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, स्वायत्त शासन विभाग और समग्र शिक्षा अभियान से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए निरीक्षण समितियों के गठन के बारें में आदेश जारी किया है। इस संबंध में मुख्य सचिव ने गुरुवार को शासन सचिवालय से वीसी के माध्यम से सभी जिला कलेक्टर्स को राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप उक्त अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए।

उक्त अभियान की सफलता के लिए सार्वजनिक निर्माण, नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन तथा समग्र शिक्षा अभियान के भवन कार्यों के निरीक्षण के लिए सभी जिलों में जिला कलेक्टर्स को तीन निरीक्षण समितियों के गठन निर्देश दिए गए हैं। ये समितियां सघन निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर संबंधित जिला कलेक्टर को प्रस्तुत करेंगी। कलेक्टर अपनी अनुशंषा के बाद संबंधित विभाग के प्रभारी सचिव को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे। इसके तहत सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यों के लिए अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संभाग के अधीन अन्य वृत्त से) व अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संभाग के अधीन अन्य जिले के गुण नियंत्रण खण्ड से) की समिति गठन के निर्देश दिए गए हैं।

इसी प्रकार नगरीय विकास एवं आवास व स्वायत्त शासन विभाग के कार्यों के लिए अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संबंधित वृत्त), अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (गुण नियंत्रण खण्ड), अधिशाषी अभियन्ता, स्वायत्त शासन/नगरीय विकास एवं आवास विभाग को शामिल करते हुए समिति गठित की जाएगी। वहीं समग्र शिक्षा अभियान के तहत भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की जांच और निरीक्षण के लिए अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (संबंधित वृत्त), अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग (गुण नियंत्रण खण्ड), अधिशाषी अभियन्ता, समग्र शिक्षा अभियान की सदस्यता में समिति गठित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में भवनों एवं सड़कों के निर्माण तथा मरम्मत कार्य विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित किए जाते हैं। समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से इन कार्यों की गुणवत्ता से संबंधित शिकायतें प्राप्त होती हैं।

केएसटीडीसी के वायनाड को बढ़ावा देने को लेकर भाजपा ने सिद्दरामय्या पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम को सोशल मीडिया पोस्ट में पड़ोसी राज्य केरल के वायनाड को पर्यटन स्थल के रूप में प्रमोट करने पर विपक्षी भाजपा की आलोचना झेलनी पड़ी है। भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्दरमैया पर आरोप लगाते हुए इसे कुर्सी बचाने के लिए 'हाईकमान की खुशामद' करार दिया। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वायनाड से सांसद हैं।

केएसटीडीसी ने 28 अक्टूबर को 'एक्स' पर अपने दो रात और तीन दिन के टूर पैकेज को प्रमोट करते हुए लिखा था,रोमांच या सुकून की तलाश? दोनों पाएं वायनाड में! केएसटीडीसी के साथ सुंदर ट्रेकिंग पथों पर चलें, झरनों का आनंद लें और वन्य जीव से मिलें! हर तरह से पूर्ण प्राकृतिक स्थल में आपका इंतजार है! पर्यटन मंत्री एच. के. पाटिल ने कहा कि उन्होंने केएसटीडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर से स्पष्टीकरण मांगा है और उसके आधार पर आगे कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, यह क्यों किया गया, विज्ञापन एजेंसी ने ऐसा क्यों किया, मुझे पूरी जानकारी चाहिए।

केएसटीडीसी के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सिद्दरमैया से पूछा कि कर्नाटक कब तक ऐसे मुख्यमंत्री को बर्दाश्त करेगा जो वायनाड के जिलाधिकारी और फंडरेजर की तरह व्यवहार कर रहा है। उन्होंने एक्स पर

पोस्ट में कहा, आपने (सिद्दरमैया) कर्नाटक के करदाताओं के 10 करोड़ रुपये वायनाड को तुरंत मंजूर किए। हाथी के हमले में मारे गए व्यक्ति के परिवार को 15 लाख रू दिए। भूस्खलन के बाद वायनाड में 100 घर बनाने की घोषणा की। केएसटीडीसी का इस्तेमाल वायनाड पर्यटन को प्रमोट करने के लिए किया गया- प्रियंका गांधी का निर्वाचन क्षेत्र।

अशोक ने आगे कहा कि उत्तरी कर्नाटक में बाढ़ आई, किसानों की फसल बर्बाद हुई, घर ढह गए, 12.5 लाख हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई, लेकिन मुआवजा अभी भी फाइलों और सर्वे में फंसा हुआ है। उन्होंने पूछा, कलबुर्गी, रायचूर, यादगिर, बीदर, विजयपुर, बागलकोट और बेलगावी के किसानों को मुआवजा और राहत कहां है? प्राथमिकताएं कहां हैं? मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए अशोक ने कहा, आप अपने राज्य के आपदा-ग्रस्त किसानों की तुलना में दूसरे राज्य को पैसे तेजी से भेज रहे हैं। यह दान नहीं है, बल्कि कुर्सी बचाने के लिए हाईकमान की खुशामद है।

उन्होंने कहा, कर्नाटक को ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत नहीं है जो फर्जी गांधी परिवार के आगे झुकता हो, हमारे धन को हाई कमांड के एटीएम की तरह खर्च करता हो और अपने राज्य के किसानों को भूल जाए। हमने कर्नाटक का मुख्यमंत्री चुना है, दिल्ली की कठपुतली या वायनाड का ब्रांड एंबेसडर नहीं। पूर्व मंत्री और भाजपा नेता सी.टी. रवि ने कहा कि केएसटीडीसी, जो कर्नाटक में पर्यटन विकसित करने के लिए है, कन्नाड़िगों को वायनाड बुला रहा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, क्या वायनाड कर्नाटक का हिस्सा है? या केएसटीडीसी केरल बन गया है? कांग्रेस सरकार प्रियंका गांधी को खुश करने के लिए प्रदेश की प्रतिष्ठा दांव पर लगा रही है।

केनरा बैंक का जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 4,774 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 4,774 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष की इसी तिमाही में मुनाफा 4,015 करोड़ रुपये रहा था।

केनरा बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय सालाना आधार पर 34,721 करोड़ रुपये से बढ़कर 38,598 करोड़ रुपये हो गई। ब्याज आय सालाना आधार पर 29,740 करोड़ रुपये से बढ़कर 31,544 करोड़ रुपये हो गई। जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय घटकर 9,141 करोड़ रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले यह 9,315 करोड़ रुपये थी।

परिचालन आय भी बढ़कर 8,588 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,654 करोड़ रुपये थी।

परिसंपत्ति गुणवत्ता के संदर्भ में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर, 2025 के अंत में सकल अग्रिम के 2.35 प्रतिशत तक कम हो गईं, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि तक यह 3.73 प्रतिशत थीं। इसी प्रकार शुद्ध एनपीए या खराब ऋण सितंबर, 2025 के अंत में घटकर 0.54 प्रतिशत हो गया, जबकि सितंबर, 2024 के अंत में यह 0.98 प्रतिशत था। आलोच्य तिमाही में प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 30 सितंबर, 2025 तक बढ़कर 93.59 प्रतिशत हो गया। यह 30 सितंबर, 2024 के अंत में 90.89 प्रतिशत था।

केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के. सत्यनारायण राजू ने कहा कि बैंक के पास इस गति से कारोबार बढ़ाने के लिए पर्याप्त पूंजी है और चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अतिरिक्त पूंजी की कोई आवश्यकता नहीं है।

बैठक

बेंगलूरु में गुरुवार को विकास सौधा में विधि एवं संसदीय सुधार संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाग लिया। इस मौकेपर उन्होंने 'एक सौ कानून-एक राय' पुस्तक का विमोचन भी किया। इस मौके पर विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर, विधान परिषद के सभापति बसवराज होर्राट्टी, मंत्री एचके पाटिल आदि उपस्थित थे।

आरएसएस को मल्लिकार्जुन खरगे के गृह क्षेत्र गुरमितकल में पथ संचलन की अनुमति मिली

यादगीर। यादगीर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के गृह क्षेत्र गुरमितकल शहर में पथ संचलन निकालने के लिए सशर्त अनुमति दे दी है। कांग्रेस अध्यक्ष गुरमितकल निर्वाचन क्षेत्र से आठ बार विधायक चुने गए थे।

आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत आयोजित इस पथ संचलन की अनुमति बुधवार को मार्ग और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा के बाद दी गई। यह आदेश आरएसएस के जिला प्रचार प्रमुख बसप्पा संजानोल द्वारा 23 अक्टूबर को प्रस्तुत एक आवेदन के बाद दिया गया है।

पुलिस ने पथ संचलन को सम्राट सर्कल, एपीएमसी सर्कल, हनुमान मंदिर, मराठावाड़ी, पुलिस थाना सड़क, मिलन चौक और सिहिनीरू बावी मार्केट मेन रोड से होते हुए राम नगर में समापन की अनुमति दी है। जिला प्रशासन ने अनुमति के साथ दस शर्तें भी जोड़ी हैं।

आयोजकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि सार्वजनिक या निजी संपत्ति को कोई नुकसान न पहुंचे अन्यथा नुकसान की पूरी भरपाई उन्हें करनी होगी। आरएसएस स्वयंसेवकों को निर्धारित मार्ग का सख्ती से पालन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी जाति या धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले नारे न लगाए जाएं।

शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि इस दौरान कोई भी सड़क अवरुद्ध न करने के साथ कोई भी दुकान जबरन बंद नहीं करवाई जानी चाहिए तथा कोई भी घातक हथियार या आग्नेयास्त्र साथ में नहीं होना चाहिए। शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए मार्ग पर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि इनमें से किसी भी शर्त का उल्लंघन किया जाता है तो आयोजकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरएसएस को अंततः ऐसा करने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हाल में मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र एवं कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों तथा सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा, आरएसएस नामक एक संगठन सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक मैदानों में भी अपनी शाखाएं चला रहा है जहां नारे लगाने के साथ बच्चों और युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं। उन्होंने एक अलग पत्र में मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। खरगे के अनुसार, इस तरह की गतिविधियां भारत की एकता और संविधान की भावना के खिलाफ हैं। पत्र के कुछ दिनों बाद कर्नाटक कैबिनेट ने निर्णय लिया कि सरकारी संपत्तियों पर गतिविधियां संचालित करने वाले किसी भी संगठन को अधिकारियों से पहले अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा आरएसएस के संचलन में भाग लेने के कारण कुछ सरकारी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आरएसएस कार्यकर्ताओं को इस दौरान लाठियां रखने की अनुमति होगी या नहीं।

आरएसएस पथ संचलन : केएसएटी ने पीडीओ के निलंबन पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्नाटक राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण (केएसएटी) ने आरएसएस के पथ संचलन में भाग लेने पर निलंबित किये गये एक पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) के 'मनमाने निलंबन' पर रोक लगा दी है। बेंगलूरु दक्षिण से सांसद और पेशे से वकील सूर्या ने कहा कि उनके विधि कार्यालय ने रायचूर जिले में लुंगासुगुर के पीडीओ प्रवीण कुमार के निलंबन को चुनौती दी थी।

सूर्या ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरे विधि कार्यालय ने रायचूर के लिंगासुगुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन में भाग लेने पर निलंबित कर दिये गये पीडीओ प्रवीण कुमार के. पी. के मनमाने निलंबन को माननीय कर्नाटक राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण के समक्ष चुनौती दी थी। उन्होंने लिखा, ''केएसएटी ने आज निलंबन आदेश पर रोक लगा दी, जो राजनीतिक दबाव के कारण मनमाने ढंग से पारित किया गया था।'' उन्होंने कहा कि ''यह रोक कांग्रेस सरकार के लिए एक सबक होगा कि किसी भी तरह की धमकी आरएसएस के राष्ट्र-निर्माण के आदर्शों को नहीं रोक सकती।''

सूर्या ने कर्नाटक के पूर्व महाधिवक्ता प्रभुलिंग नवदगी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। सूर्या का कहना है कि 12 अक्टूबर को एक विधायक के निजी सहायक के रूप में तैनात प्रवीण कुमार ने आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत आयोजित पथ संचलन में भाग लिया था। कर्नाटक पंचायत राज आयुक्तालय ने 18 अक्टूबर को कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए एक निलंबन आदेश जारी किया। यह नियमावली कहती है कि एक सरकारी कर्मचारी नैतिक ईमानदारी बनाये रखेगा और सार्वजनिक सेवा के अनुचित कार्यों में शामिल नहीं होगा।

सांसद सूर्या ने पीडीओ से मुलाकात की थी और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया था। सूर्या ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभुलिंग नवदगी ने केएसएटी के समक्ष तर्क दिया कि निलंबन अवैध और मनमाना था। उन्होंने दलील दी थी कि गैर-कार्य दिवस पर एक निजी, गैर-राजनीतिक कार्यक्रम में भाग लेना सेवा नियमों का उल्लंघन नहीं माना जा सकता है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने 'एक्स' पर लिखा,लगता है कि अदालत के निर्देशों की गलत व्याख्या करना भाजपा नेताओं की आदत बन गई है। कर्नाटक राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण की कलबुर्गी पीठ ने केवल एक अंतरिम आदेश पारित किया है और आरएसएस की रैली में भाग लेने वाले पीडीओ के निलंबन आदेश को रद्द करने या दरकिनार करने का कोई आदेश नहीं दिया है।''

उन्होंने कहा कि निलंबन आदेश बस मामले का अंतिम फैसला आने तक स्थगित रहेगा। मंत्री ने बताया कि न्यायाधिकरण ने मामले को 14 नवंबर, 2025 को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है और राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। खरगे ने कहा, ''हम बयान दर्ज कराएंगे और प्रतिवाद करेंगे।''

बेंगलूरु में पीछा कर बाइक को टक्कर मारने के आरोप में दंपत्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में तेज रफ्तार एक कार ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे 24 वर्षीय 'गिग वर्कर' की मौत हो गई और उसका दोस्त घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। 'गिग वर्कर्स' उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्थायी होता है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बदला लेने की इस घटना को जानबूझकर अंजाम दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक, 25 अक्टूबर को रात साढ़े 11 बजे पुट्टेनहल्ली थानाक्षेत्र में हुई इस घटना के सिलसिले में पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि कार सवार ने दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, दोपहिया वाहन चालक दर्शन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका दोस्त व पीछे बैठा वरुण (24) गंभीर रूप से घायल हो गया और उन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस ने बताया कि शुरुआत में जेपी नगर यातायात पुलिस ने दुर्घटनावश मृत्यु का मामला दर्ज किया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) लोकेश जगलासर ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद जांचकर्ताओं ने पाया कि कार चालक ने दोपहिया वाहन का पीछा किया और जानबूझकर घटना को अंजाम दिया। उन्होंने बताया, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोपहिया वाहन सवारों ने पहले कार को टक्कर मारी थी, जिससे उसका साइड मिरर टूट गया था। गुस्से में आकर कार चालक ने पहले दोपहिया वाहन का पीछा किया और फिर कार को टक्कर मार दी, जिससे दर्शन की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी शारीरिक शिक्षा का शिक्षक है और वह अपनी पहचान छिपाने के लिए अपनी पत्नी के साथ घटना के बाद नकाब पहनकर कथित रूप से घटनास्थल पर लौटा था।

पुलिस के मुताबिक, पति-पत्नी ने सबूत मिटाने के इरादे से घटनास्थल से अपने वाहन के टूटे हुए हिस्से इकट्ठा किए। पुट्टेनहल्ली थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत हत्या और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पति-पत्नी दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मानव अस्तित्व के हर पहलू को आकार देने की शक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां निट्टे मीनाक्षी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वर्ष भर चलने वाले रजत जयंती समारोह के दौरान गुरुवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए शीर्ष समिति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अध्यक्ष एवं सह-संस्थापक, डीपटेक फॉर भारत फाउंडेशन और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रसार भारती शशि शेखर वेम्पति ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक और तकनीकी उन्नति नहीं है; यह मानव अस्तित्व के हर पहलू को नया आकार देने वाली एक मूलभूत शक्ति है। यह एक शोधकर्ता, आम आदमी या शिक्षाविद की कड़ी मेहनत को कम करके अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। यह वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए हमारी रचनात्मक सोच को बढ़ाएगी।

उन्होंने आगे कहा - 'वर्ष 2001 में स्थापित एनएमआईटी ने अपने 24 वर्ष पूरे कर लिए हैं और 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। 24 साल पहले नवप्रवर्तकों को पोषित करने, समस्या समाधानकर्ताओं को तैयार करने और तकनीकी प्रगति की नींव रखने का जो सपना देखा गया था, वह आज देश के सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में से एक बनकर एक विशाल फलते-फूलते वृक्ष के रूप में खड़ा है।'

मुख्य अतिथि इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक और ग्लोबल मीडिया एजुकेशन काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. के.जी. सुरेश ने अपने भाषण में कहा, 'भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विचार करना समय की मांग है। आधुनिक शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका समकालीन पाठ्यक्रम को प्रतिस्थापित करने के बारे में नहीं है, बल्कि संवर्धन, संश्लेषण और आलोचनात्मक एकीकरण के बारे में है।' निट्टे डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के प्रो-चांसलर डॉ. एम. शांताराम शेट्टी ने समारोह की अध्यक्षता की। इस मौके पर एनएमआईटी ने संस्थान में 20 से अधिक वर्षों तक सेवा देने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया। प्रारंभ में, एनएमआईटी के प्राचार्य डॉ. एच.सी. नागराज ने सभा का स्वागत किया। अंत में, निट्टे एजुकेशन ट्रस्ट के प्रशासक रोहित पुंजा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर बेंगलूरु परिसर के उपाध्यक्ष डॉ. संदीप शास्त्री, शिक्षण और गैर-शिक्षण समुदाय के सदस्य उपस्थित थे।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री सोमन्ना ने यशवंतपुर कोचिंग डिपो का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने गुरुवार को यशवंतपुर कोचिंग डिपो का निरीक्षण किया। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने डिपो में उपलब्ध विभिन्न रखरखाव सुविधाओं की समीक्षा की और इसके समग्र प्रदर्शन का आकलन किया। उन्होंने चल रहे विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों की भी समीक्षा की। गौरतलब है कि यशवंतपुर कोचिंग डिपो दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत प्रमुख रखरखाव इकाइयों में से एक है। यशवंतपुर कोचिंग डिपो 41 रेकों का रखरखाव करता है और इसमें 909 कोच हैं। यह डिपो ट्रेनों का प्राथमिक और द्वितीयक रखरखाव करता है, साथ ही प्लेटफॉर्म टर्न-अराउंड ट्रेनों पर भी ध्यान देता है। डिपो आईसीएफ और एलएचबी दोनों कोचों की इंटरमीडिएट ओवरहालिंग (आईओएच) भी करता है, जिससे यात्रियों के लिए सुरक्षा और आराम के उच्च मानक सुनिश्चित होते हैं।मंत्री सोमन्ना ने स्वच्छता अभियान की 'वेस्ट टू आर्ट' पहल के तहत डिपो के बगीचे में बनाई गई अश्व मूर्ति का भी अवलोकन किया। नट, बोल्ट, वाशर, धातु की रस्सियों और स्प्रिंग जैसी स्क्रैप सामग्री से पूरी तरह से बनी 11 फुट ऊंची प्रभावशाली मूर्ति को डिपो के कर्मचारियों द्वारा यहां ही डिजाइन और निर्मित किया गया था। मंत्री ने इस पर्यावरण-अनुकूल पहल में शामिल कर्मचारियों की रचनात्मकता और समर्पण की सराहना की।मीडिया से बातचीत करते हुए सोमन्ना ने बताया कि 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक भारतीय रेलवे में विशेष अभियान चलाया गया था, जिसका ध्यान कार्यालयों, स्टेशनों और ट्रेनों में स्वच्छता सुनिश्चित करने पर था। स्वच्छता और सफाई बनाए रखने में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए इस अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। उन्होंने यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए कोचों के रखरखाव में उनके सराहनीय कार्य के लिए यशवंतपुर कोचिंग डिपो के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

निरीक्षण में बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर एवं वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक अनुराग सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

आरएसएस समन्वयक प्रस्तावित पथ संचलन पर कलबुर्गी जिला प्रशासन के साथ बैठक करें : न्यायालय

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कलबुर्गी संयोजक अशोक पाटिल को निर्देश दिया कि वह कलबुर्गी जिले के चित्तपुर शहर में प्रस्तावित पथ संचलन पर चर्चा करने के लिए पांच नवंबर को महाधिवक्ता कार्यालय में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक करें। उच्च न्यायालय ने आशा व्यक्त की कि बैठक से समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि मामले को आगे की कार्यवाही के लिए सात नवंबर को सूचीबद्ध किया जाए। अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी और वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणा श्याम को भी कार्यक्रम की व्यवस्था और अनुमति पर चर्चा में भाग लेने के लिए कहा। यह पथ संचलन पहले दो नवंबर के लिए निर्धारित था। लेकिन इस बैठक के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है।यह न्यायालय के आदेश पर दूसरी बैठक होगी। पहले 24 अक्टूबर को इसी तरह का निर्देश जारी किया गया था।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094182, 4541 फैक्स : 080-28094180

संशोधन-I दिनांक 30.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ ई-टीएन-67/2025-2026 दिनांक 10.10.2025
कार्य का नाम	आईडीएसएन परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में मौजूदा एलटी पैनल में एयर सर्किट ब्रेकर (एसीबी) का प्रतिस्थापन और बसबार का संशोधन
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 23.81 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	04 (चार) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	11.10.2025 को 16.00 बजे से 25.10.2025 को 16.00 तक जिसे अब 08.11.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
बोली स्पष्टीकरण	12.10.2025 को 11.00 बजे से 26.10.2025 को 16.00 तक जिसे अब 09.11.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	27.10.2025 को 16.00 बजे तक जिसे अब 10.11.2025 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	28.10.2025 को 16.00 बजे के तक जिसे अब 11.11.2024 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है।
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	30.10.2025 को 11.00 बजे के बाद जिसे अब 13.11.2025 को 11.00 बजे के बाद तक बढ़ाया गया है।
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 47,620.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी)सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र ओप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

सुविचार

सपनों को हकीकत में बदलने के लिए, सबसे पहले अपने आत्म-विश्वास को मजबूत बनाना होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अरबों खर्च, नतीजा शून्य क्यों?

भारत में शून्य दाखिले वाले लगभग 8,000 स्कूलों का आंकड़ा हैरान करने वाला है। इन स्कूलों में 20,000 से ज्यादा शिक्षक कार्यरत हैं, जिन्हें सरकार वेतन-भत्ते दे रही है। इसके बावजूद स्कूलों में बच्चों के दाखिले नहीं हो रहे हैं! इस स्थिति पर क्या कहा जाए? स्कूलों पर अरबों रुपए खर्च हो रहे हैं, लेकिन नतीजा शून्य है। अगर सरकार इन्हें दूसरे स्कूलों के साथ समायोजित करती है तो धरने-प्रदर्शन शुरू हो जाते हैं, कई संगठन आंदोलन छेड़ देते हैं। यह उनका अधिकार है। वे ऐसा कर सकते हैं, लेकिन देशवासियों को यह जानने का भी अधिकार है- आखिर इतना बजट खर्च करने के बावजूद सरकारी स्कूलों से लोगों का मोह भंग क्यों हो गया? अब तो सरकार के प्राथमिक स्कूलों में कई सुविधाएं दी जा रही हैं। बच्चों को पोषाहार से लेकर किताबें तक मिल रही हैं। हर राज्य सरकार अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार बच्चों के लिए पहले से कुछ-न-कुछ बेहतर काम कर रही है। फिर भी बच्चे नहीं आ रहे तो यह उन सरकारों के अलावा शिक्षकों के लिए चिंतन का विषय होना चाहिए। एक कड़वी हकीकत यह है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता में उस स्तर पर सुधार नहीं हुआ, जैसा होना चाहिए था। जिन स्कूलों में गुणवत्ता सुधरी, वहां नामांकन भी बढ़ा। गांव-ढाणियों में स्थित ऐसे कई स्कूलों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं, जो आज वीरान पड़े हैं। वहां पहले कभी बच्चे आते थे, कक्षाएं लगती थीं। उसके बाद ऐसा क्या हुआ कि बच्चों ने इन स्कूलों से मुंह मोड़ लिया?

स्कूल सिर्फ इमारत खड़ी करने से नहीं बनता है। उसे 'स्कूल' बनाती है पढ़ाई की गुणवत्ता। अगर उसका स्तर बेहतर होगा तो लोग अपने बच्चों को जरूर भेजना चाहेंगे। इसके लिए शिक्षकों को बहुत मेहनत करनी होगी। उन्हें आस-पास के इलाकों में अभिभावकों से संपर्क करना होगा। जिन घरों में स्कूल जाने वाले बच्चे हैं, उनके दाखिले के बारे में बातचीत करनी चाहिए। उन्हें स्कूल में बुलाकर पढ़ाई की गुणवत्ता दिखानी चाहिए। बेशक आज हर अभिभावक चाहता है कि उसके बच्चे को पढ़ाई के अलावा कुछ सुविधाएं मिलें। ऐसा सोचना गलत नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में कई कष्टों का सामना किया था। वे नहीं चाहते कि उनके बच्चे सुविधाओं से वंचित रहें। सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करना कोई असंभव काम नहीं है। अगर इन स्कूलों में पढ़ाई का स्तर सुधर जाए तो अभिभावक न सिर्फ अपने बच्चों का दाखिला करवाना चाहेंगे, बल्कि सुविधाएं जुटाने के लिए अपनी ओर से सहयोग करेंगे। जब सरकार शिक्षकों को नियुक्त कर रही है, उन्हें वेतन दे रही है, काफी हद तक सुविधाओं का इंतजाम कर रही है; इसके बावजूद बच्चे नहीं आ रहे हैं तो यह किसके प्रयासों में कमी को दर्शाता है? पश्चिम बंगाल में बिना दाखिले वाले स्कूलों की संख्या 3,812 बताई गई है, जो सबसे ज्यादा है। इनमें 17,965 शिक्षक सेवाएं दे रहे हैं। राज्य सरकार को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। बच्चे आ नहीं रहे हैं, लेकिन हर महीने भारी-भरकम राशि खर्च हो रही है। यह धन की बर्बादी नहीं तो और क्या है? इस खर्चे के बदले नागरिकों को कुछ तो फायदा होना चाहिए! स्कूलों की यह स्थिति जवाबदेही की कमी का नतीजा है। नेतागण चुनावी मौसम में बड़े-बड़े वादे कर जाते हैं, लेकिन बाद में सरकारी स्कूलों की सुध नहीं लेते। सरकारें यह कहकर अपनी पीठ थपथपाती हैं कि हमने इतना बजट खर्च कर दिया। यह भी देखें कि उस बजट से नतीजा क्या मिल रहा है! हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा।

ट्वीटर टॉक

आज ग्राम खेड़ली मनोहरपुरा में इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण किया। सम्मानित ग्रामवासियों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत एवं स्नेह के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। उनकी यह ऊर्जा और सहभागिता ग्रामीण विकास के संकल्प को और भी मजबूत करती है।

-मदन दिलावर

तीर्थराज पुष्कर में सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा जी की पूजा-अर्चना कर विश्व प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला 2025 का विधिवत शुभारंभ किया। देश और विदेश के विभिन्न कोनों से पधारे अतिथियों का राजस्थान की इस पवित्र धरा पर हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया गया।

-दिया कुमारी

संसद के अध्ययन दौरे पर आए भारतीय पुलिस सेवा के 77वें आरआर बैच के अधिकारियों के एप्रिसिएशन कोर्स के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया। भारत की संसद और संसदीय प्रणाली विश्व के समक्ष मानक है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

आत्मज्ञान का रत्न

एक बार गौतम बुद्ध अपने अनुयायियों को साथ लेकर पदयात्रा कर रहे थे। चलते-चलते सभी थक गए, तो वे एक आरामदायक स्थान पर विश्राम करने लगे। अचानक, आकाश में अंधेरा गहरा होने लगा। मन की बेचैनी को दूर करने के लिए सभी अनुयायी गौतम बुद्ध से अपनी-अपनी बात कहने लगे। इसी बीच एक अनुयायी ने जिज्ञासा व्यक्त करते हुए पूछा, 'आप कहते हैं कि चंद्रमा की चौदह कलाएं होती हैं। क्या उसी तरह से मनुष्य के पास भी चौदह रत्न होते हैं? कृपया, इसका ज्ञान दीजिए।' यह सुनकर बुद्ध बहुत शांतचित्त से बोले, 'तेरह धन तो प्रकृति जन्य हैं, जो प्रकृति ने आपको उपहार स्वरूप दे दिए हैं। वे हैंपांच कर्मेंद्रियां, पांच ज्ञानेंद्रियां और मन, बुद्धि और अहंकार। अब चौदहवां रत्न तो वह है, जिसे आपको प्रयास करके स्वयं खोजना पड़ेगा।' 'मगर गुरुदेव, मैं नहीं समझ सका कि वह चौदहवां रत्न क्या है?' अनुयायी ने फिर पूछा। गौतम बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'चौदहवां रत्न या धन हैचित्त। यह चित्त तभी सच्चे रूप में उपलब्ध होता है, जब भीतर ज्ञान का उजाला चमकता है। जब मन में प्रकाश होगा, तभी अंधकार छंटेगा और चित्त सुसंगठित और शांत होगा।'

सामयिक

लोकतंत्र की पवित्रता तभी बचेगी जब राजनीति नीति से संचालित होगी, जब सत्ता सेवा का माध्यम बनेगी और जब मतदाता अपने विवेक से निर्णय लेगा। बिहार जैसे प्रबुद्ध राज्य को चाहिए कि वह रेवड़ी संस्कृति से ऊपर उठकर विकास, रोजगार, शिक्षा, नैतिकता और सुशासन पर आधारित राजनीति का चयन करे। तभी लोकतंत्र अपने वास्तविक अर्थ में जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियां गर्व से कह सकेंगी-हमने वोट से अपना भविष्य खरीदा नहीं, बनाया है।

'रेवड़ी संस्कृति' : लोकतंत्र का आधार या प्रलोभन की डगर?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

बिहार की राजनीति एक बार फिर चुनावी रंग में रंग चुकी है। हर चुनावी सभा में, गली-मोहल्ले से लेकर सोशल मीडिया तक मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाओं और वादों की बाढ़ आई हुई है। यह चुनावी मौसम पहले की तरह इस बार भी रेवड़ी संस्कृति' से सराबोर दिखाई देता है। महागठबंधन हो या एनडीए-दोनों गठबंधन एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में ऐसे-ऐसे वादे कर रहे हैं जो सुनने में आकर्षक लगते हैं, पर उनकी व्यवहारिकता और आर्थिक सम्भावना पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। ये चुनावी वादें कैसे पूरे होंगे या जनता के साथ विश्वासघात होगा? हर दल मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा रहा है, लेकिन शायद ही किसी ने यह सोचा हो कि इन लोकलुभावन योजनाओं के लिए फंड कहां से आएगा, कैसे उनकी पूर्ति होगी और क्या यह राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति पर और बोझ नहीं बनेगा।

बिहार का यह चुनाव इसलिए खास नहीं है क्योंकि इससे दो दशकों से राज्य का चेहरा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भविष्य तय होना है- यह खास इसलिये है क्योंकि दोनों गठबंधनों की तरफ से एक जैसी राजनीति चल रही है- लोकलुभावन घोषणाओं की। महागठबंधन ने दो दिन पहले 'तेजस्वी -संकल्प' घोषित किया। कांग्रेस, आरजेडी और दूसरे सहयोगी दलों ने बीते दिनों में जो चुनावी वादे किए हैं, उन्हें ही इसमें शामिल किया गया है। दूसरी ओर एनडीए के वादों की लिस्ट भी बेहद लंबी है। शुरुआत में नीतीश सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये, 125 यूनिट फ्री बिजली, एक करोड़ नौकरियों का वादा, महिलाओं को नौकरी में आरक्षण, बढ़ी पेंशन-नीतीश ने चुनावी अभियान इस तरह शुरू किया। महागठबंधन ने जवाब में 200 यूनिट फ्री बिजली, हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, महिलाओं को हर महीने ढाई हजार, और भी बहुत कुछ देने का वादा किया है। दोनों की गठबंधन की आसमानी घोषणाएं लुभा रही है, जनता को गुमराह कर रही है, सीधे-सीधे रूप में यह वोटों को खरीदने की साजिश है। नीति आयोग के आंकड़े बताते हैं कि देश की जनसंख्या में बिहार का हिस्सा 9 प्रतिशत से ज्यादा है, पर जीडीपी में योगदान 2021-22 में घटकर 2.8 प्रतिशत रह गया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश की औसत प्रति व्यक्ति आय का केवल 30 प्रतिशत है, जबकि बेरोजगारी ज्यादा है। 2022-23 में राज्य की जीडीपी की तुलना में ऋण का अनुपात 39.6 प्रतिशत था।

बिहार के सामने सबसे बड़ी समस्या है आय के साधन जुटाने की। कुल कमाई में उसका अपना टैक्स रेवेन्यू केवल 23 प्रतिशत है और केंद्र की तरफ से अनुदान का हिस्सा 21 प्रतिशत। जन सुराज का दावा है कि मुफ्त की योजनाओं को पूरा करने के लिए 33 हजार करोड़ चाहिए होंगे। इस आंकड़े को सच मान लें तो राज्य के कुल बजट में से रोजमर्रा के कामकाज व योजनाओं का खर्च निकालने के बाद करीब 40 हजार करोड़ रुपये बचते हैं। क्या मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाओं के वादा इससे पूरे होंगे? एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि हकीकत में दोनों को बताना चाहिए कि वे किस तरह इन वादों को पूरा करेंगे। बेरोजगारों को भत्ता, महिलाओं को नकद सहायता, युवाओं को लैपटॉप, किसानों के लिए ऋणमाफी-इन घोषणाओं की बाढ़ ने लोकतंत्र को मजबूती देने के बजाय उसे लोकलुभावन जाल में फंसा दिया है। यह स्थिति केवल बिहार की नहीं, पूरे देश की राजनीति में एक नई प्रवृत्ति के रूप में उभर रही है, जहां सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता जनता की विवेकशीलता से नहीं, बल्कि प्रलोभनों की मिठास से तय किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं, क्योंकि यह मतदाता को उपभोक्ता में बदल देती है और राजनीति को नीति से भटकाकर लाभ की गणित में फंसा देती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कही गई 'रेवड़ी संस्कृति' की अवधारणा आज बिहार की राजनीति में पूर्णरूपेण साकार होती दिख रही है। मुफ्त बिजली, राशन, यात्रा या सहायता योजनाएं अब चुनावी घोषणाओं की अनिवार्य शर्त बन गई हैं। जनकल्याण का उद्देश्य पीछे छूट गया है, सामने है तो केवल वोटों की गिनती। इन घोषणाओं के माध्यम से मतदाता को प्रभावित करना एक तरह का सॉफ्ट करप्शन है, जहां खरीदी खुलकर नहीं होती, पर मानसिक रूप से मतदाता को बंधक बना लिया जाता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है, क्योंकि यह नीतियों और सिद्धांतों को कमजोर करती है और राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का खेल बना देती है। लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब चुनाव नैतिक और नीति-सम्मत हों। चुनाव का अर्थ केवल जीत और हार नहीं, बल्कि समाज के चरित्र और दिशा का निर्धारण है। नैतिक राजनीति वही है जिसमें जनहित को सर्वोपरि माना जाए, न कि तत्कालिक लाभ को। यदि राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में केवल आकर्षक वादे ही भरते जाएं और उनके पीछे कोई आर्थिक या सामाजिक दृष्टि न हो, तो यह लोकतंत्र की आत्मा के साथ खिलवाड़ है। मतदाता को चाहिए कि वह ऐसी घोषणाओं से प्रभावित न हो, बल्कि यह देखे कि कौन-सी पार्टी या नेता दीर्घकालिक सुधार, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुशासन की बात कर रहा है। लोकतंत्र उपहार नहीं, उत्तरदायित्व है, इसे समझना और निभाना नागरिक का धर्म है।

वोट किसी के द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की स्थिरता, सुशासन और सच्चे विकास के लिए दिया जाना चाहिए। मतदाता का विवेक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। अगर जनता भावनाओं या लालच में निर्णय लेगी, तो राजनीति और शासन दोनों भ्रष्ट हो जाएंगे। इसी तरह दलों को भी आत्मसंयम रखना चाहिए और यह समझना चाहिए कि सत्ता की प्राप्ति साधन नहीं, सेवा का अवसर है। आज सबसे बड़ी जरूरत है कि चुनावी घोषणाओं पर एक नियंत्रण तंत्र बने, चुनाव आयोग और नीति आयोग मिलकर इस पर नियम तय करें कि कोई भी दल अपने घोषणापत्र में ऐसे वादे न करे जिनका कोई आर्थिक आधार न हो। मीडिया को भी केवल वादों को प्रचारित करने में नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। जनता के बीच मतदाता शिक्षण अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग यह समझ सकें कि वोट किसी प्रलोभन का प्रत्युत्तर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है।

वैसे तो दोनों ही गठबंधन एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं। भाजपा-जद(यू) गठबंधन तेजस्वी की छवि को एक गैर जिम्मेदार सपने बेचने वाले नेता के रूप में गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। जाहिर है कि जब तक वादों को ठोस नीति में नहीं बदला जाएगा, वे केवल भाषणों की सजावट बने रहेंगे। महागठबंधन को चाहिए कि वह अपने घोषणापत्र को भावनात्मक अपील की बजाय आर्थिक व्यवहार्यता के साथ तैयार करे। यही रणनीति जनता में भरोसा जगाएगी और विपक्ष के हमलों को कमजोर करेगी। तेजस्वी यादव का करिश्मा, संवाद शैली और युवाओं से जुड़ाव उन्हें बिहार की राजनीति में एक बड़ा चेहरा बनाते हैं लेकिन उनकी पूरी चुनावी रणनीति धुआंधार वादों के इर्द-गिर्द घूम रही है। राजनीति में कोई भी वादा तब ताकत बनता है जब उसमें विश्वसनीयता, यथार्थता और क्रियान्वयन की संभावना हो।

लोकतंत्र की पवित्रता तभी बचेगी जब राजनीति नीति से संचालित होगी, जब सत्ता सेवा का माध्यम बनेगी और जब मतदाता अपने विवेक से निर्णय लेगा। बिहार जैसे प्रबुद्ध राज्य को चाहिए कि वह रेवड़ी संस्कृति से ऊपर उठकर विकास, रोजगार, शिक्षा, नैतिकता और सुशासन पर आधारित राजनीति का चयन करे। तभी लोकतंत्र अपने वास्तविक अर्थ में जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियां गर्व से कह सकेंगी-हमने वोट से अपना भविष्य खरीदा नहीं, बनाया है।

नजरिया

समाज की संवेदनहीनता का नतीजा भोजन की बर्बादी

तारकेश्वर मिश्र

भारत में हर साल 7.81 करोड़ टन भोजन की बर्बादी होती है, जो अमेरिका के मुकाबले तीन गुना है। देश में प्रति व्यक्ति भोजन की औसत बर्बादी करीब 55 किलोग्राम सालाना है। खासकर शहरी क्षेत्रों में भोजन की बर्बादी की मात्रा तेजी से बढ़ रही है, जहां लोग बचा हुआ खाना सीधे कूड़े में फेंक देते हैं। जरूरत से ज्यादा भोजन पकाना, खराब व्यंजन, शादी-ब्याह तथा पार्टियां और रेस्टोरेंट्स में जरूरत से ज्यादा ऑर्डर करने जैसी चीजें भोजन की बर्बादी का कारण हैं। यह हैरान करने वाली बात है कि जो भारत 2024 के वर्ल्ड हंगर इंडेक्स में 127 देशों की सूची में 105 वें स्थान पर है, वह भोजन बर्बाद करने वाले देशों की सूची में चीन के बाद दूसरे स्थान पर बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में दुनिया में लगभग 1.05 अरब टन खाद्य पदार्थ बर्बाद हुआ, जबकि इस दौरान करीब 78 करोड़ लोग भुखमरी से जूझ रहे थे।

वैश्विक भुखमरी का मतलब भोजन की कमी नहीं है। इस समय, दुनिया में इतना भोजन पैदा हो रहा है कि इस धरती पर मौजूद हर बच्चे, महिला और पुरुष का पेट भर सके। कई समृद्ध देशों में, भोजन की बर्बादी रसोई घर में होती है - जब हम भोजन तैयार करते हैं, जो खाया नहीं जाता, या भोजन को फ्रिज और रसोई की अलमारियों में खराब होने के लिए छोड़ देते हैं। विकासशील देशों में लाखों लोगों के लिए, यह खाद्यान्न बर्बादी कटाई के समय होती है। खेतों में भंडारण की खराब सुविधाओं के कारण कीटों और फफूंद का प्रकोप होता है जिससे फसलें बर्बाद हो जाती हैं। तकनीक और बाजारों तक पहुँच की कमी का मतलब है कि कई किसान अपनी फसलों को खेतों में सड़ते हुए देखने को मजबूर हैं क्योंकि कटाई के लिए आवश्यक श्रम और वित्तीय निवेश अक्सर उपलब्ध नहीं होता। दीर्घकालिक गरीबी, संघर्ष और आर्थिक झटकों के साथ-साथ, खाद्यान्न की हानि दुनिया भर में भुखमरी के मूल कारणों में से एक है। खाद्यान्न की हानि, भोजन उत्पादन में प्रयुक्त संसाधनों-जैसे भूमि, जल और ऊर्जा-की भी बर्बादी है।

यूएनईपी खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2024 के अनुसार दुनिया भर में मानव उपभोग के लिए उत्पादित भोजन का पांचवां हिस्सा नष्ट या बर्बाद हो जाता है। यह प्रतिदिन एक अरब भोजन के बराबर है। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खाद्य हानि और बर्बादी की कुल लागत लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। खाद्य पदार्थों की हानि और बर्बादी से वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है- जो विमानन क्षेत्र की तुलना में कुल उत्सर्जन का लगभग पांच गुना है। साठ प्रतिशत खाद्यान्न की बर्बादी घरेलू स्तर पर होती है। गर्म देशों में खाद्यान्न की बर्बादी अधिक होती है, घरेलू स्तर पर और कटाई के बाद के चरण में, क्योंकि उच्च तापमान के कारण खाद्यान्न का भंडारण, प्रसंस्करण और परिवहन प्रभावित होता है। देश में खाद्य उत्पाद का 40 फीसदी बर्बाद हो जाता है, जिसकी कीमत 92,000 करोड़ है। हालांकि रिपोर्ट बताती है कि भोजन की सबसे अधिक बर्बादी घरों में होती है। दुनिया का हर व्यक्ति साल में औसतन 132 किलोग्राम खाना फेंक देता है, जिनमें से 79 किलोग्राम घर से फेंका जाता है। भारत जैसे देश में भोजन की इतने बड़े पैमाने पर बर्बादी अपराध से कम नहीं है, जहां 2023 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 74 प्रतिशत आबादी स्वस्थ आहार का खर्च नहीं उठा सकती और 39 फीसदी को पोषक तत्वों से भरपूर आहार नहीं मिल पाता। भोजन की बर्बादी का अर्थ सिर्फ प्लेट में बचे खाने की बर्बादी नहीं है, यह हमारे समाज की असमानता और संवेदनहीनता की भी तस्वीर है।

भोजन की बर्बादी उस जल, भूमि और ऊर्जा की भी बर्बादी है, जो भोजन तैयार करने में खर्च होती है। इतना ही नहीं, फेंका गया खाना कूड़े के ढेर में सड़ कर मीथेन गैस छोड़ता है, जो पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा है। आदत में बदलाव लाकर भोजन की बर्बादी पर अंकुश लगाया जा सकता है, जैसे- जरूरत के हिसाब से खाना बनाना, बचा भोजन दान करना और फेंकने के बजाय उससे खाद बनाना।

दुनिया के कई देशों में फूड बैंक्स और जीरो वेस्ट किचन जैसी शुरुआत हुई हैं। भारत में नागरिक संगठनों और स्थानीय प्रशासनों को इस दिशा में कदम उठाने की जरूरत है, ताकि भूखों की भूख मिटाने के साथ संसाधनों की भी बचत हो। वर्ष 2030 तक वैश्विक खाद्य अपव्यय को आधा करना संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। वास्तव में, यह संगठन के 17 सतत विकास लक्ष्यों में से एक है। कल्पना कीजिए कि अगर सारा खाना बर्बाद न होता, तो एक किसान क्या कर सकता था- और अब कल्पना कीजिए कि अगर लाखों खाद्य-असुरक्षित किसानों के साथ ऐसा हो, तो इसका क्या मतलब होगा। कटी हुई फसलों को संभालने और भंडारण करने के कौशल की कमी छोटे किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी)किसानों को कटाई के बाद की बेहतर प्रबंधन विधियों और सब्सिडी वाले जल- और वायु रोधी भंडारण उपकरणों के प्रशिक्षण के माध्यम से इस समस्या का समाधान करने में मदद करता है।

ब्ल्यूएफपी स्थानीय बाजारों तक पहुंच बढ़ाकर खाद्य अपव्यय की समस्या से भी निपट रहा है। इसमें स्कूलों के भोजन के लिए स्थानीय रूप से उगाई गई फसलों का उपयोग करना और समुदायों के साथ मिलकर सड़कें और पुल, साथ ही भंडारण सुविधाएं बनाना या उनका पुनर्निर्माण करना शामिल है। लेकिन हममें से प्रत्येक व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से खाद्य हानि और खाद्य अपव्यय को कम करने में भूमिका निभा सकता है, न केवल भोजन के लिए, बल्कि उसमें प्रयुक्त होने वाले संसाधनों के लिए भी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के अलावा कई अन्य मंचों पर भोजन की बर्बादी का मुद्दा उठा चुके हैं। यह एक संवेदनशील मुद्दा है, हालाँकि कड़वा सच यह भी है कि हमारे यहाँ कोई ऐसा कानून नहीं है जो भोजन की बर्बादी रोकने के काम आ सके। एक तरफ विवाह-शादियों, पर्व-त्यौहारों एवं पारिवारिक आयोजनों में भोजन की बर्बादी बढ़ती जा रही है, तो दूसरी ओर भूखें लोगों के द्वारा भोजन की लूटपाट देखने को मिल रही है। दरअसल, भोजन की बर्बादी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

भोजन हमारी मूलभूत आवश्यकता है और हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके बावजूद, यह चिंता का विषय है कि आज भी कई लोग रोज़ाना सुरक्षित और पोषणयुक्त भोजन से वंचित हैं।भोजन की बर्बादी को कम करने के कई तरीके हैं - जैसे ज़रूरत के अनुसार ही सामान खरीदना, किराना दुकान जाने से पहले भोजन की योजना बनाना, बचे हुए भोजन से नए और रचनात्मक व्यंजन बनाना, भोजन को अच्छे से बंद डिब्बों में सुरक्षित रखना आदि। भोजन की बर्बादी को कम करने के साथ-साथ हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि जब भी हम खाने को फेंकते हैं, उस समय दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति अपने दैनिक पोषण की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा होता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

श्रद्धांजलि

गुवाहाटी में गुरुवार को वकील और परिवार के सदस्य सिलसिलेवार बम विस्फोटों की 17वीं बरसी पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय परिसर में पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

उच्च न्यायालय ने महेश मांजरेकर की फिल्म को दी मंजूरी

मुंबई/भाषा

बंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम किसी भी रूप में विशिष्ट अधिकार का विषय नहीं हो सकता। इस फैसले के साथ ही महेश मांजरेकर की नयी मराठी फिल्म पुन्हा शिवाजी राजेभोसले के शुक्रवार को निर्धारित समय पर रिलीज होने का रास्ता साफ हो गया है। न्यायमूर्ति अमित जामसांडेकर की पीठ द्वारा बृहस्पतिवार को सुनाए गए फैसले में एवरेस्ट एंटरटेनमेंट एलएलपी कंपनी द्वारा दायर कॉपीराइट उल्लंघन के आरोपों को खारिज करते हुए फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया। आदेश में कहा गया कि दो फिल्मों की पटकथा में कॉपीराइट उल्लंघन के आरोप प्रथम दृष्टया आधारहीन और अस्थिर हैं। एवरेस्ट की याचिका के अनुसार, कंपनी के पास मी शिवाजी राजेभोसले बोलतोय नामक फिल्म का कॉपीराइट अधिकार है जो 2009 में रिलीज हुई थी। इसका निर्माण मांजरेकर की अश्वमी फिल्म्स के साथ किया गया था। वर्ष 2013 में, एवरेस्ट ने फिल्म के

सभी अधिकार हासिल कर लिए। कंपनी ने कहा कि उसे इस साल की शुरुआत में पता चला कि मांजरेकर एक 'सीक्वल' जैसी फिल्म पर काम कर रहे हैं।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि एवरेस्ट छत्रपति शिवाजीराजे भोसले या छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर किसी भी विशिष्ट अधिकार का दावा नहीं कर सकती। अदालत ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम किसी भी रूप में विशिष्ट अधिकार का विषय नहीं हो सकता। मांजरेकर की फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार करते हुए अदालत ने कहा कि यह पूरी तरह से नयी फिल्म है, न कि किसी फिल्म की नकल। उच्च न्यायालय ने कहा, मराठी फिल्मों के जानकार दर्शक, प्रथम दृष्टया, वादी (एवरेस्ट) द्वारा बताए गए किसी भी कारक, जिसमें फिल्म का नाम भी शामिल है, से भ्रमित या धोखा खाने वाले नहीं हैं। अदालत ने एवरेस्ट के इस दावे को भी मानने से इनकार कर दिया कि मांजरेकर ने कई संवादों की नकल की है। अदालत ने कहा कि संवाद सामान्य हैं, और हर मराठी भाषी व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सामान्य शब्द और भाव मराठी साहित्य, रंगमंच और फिल्मों के विविध रूपों का हिस्सा हैं। अदालत ने कहा कि जिन संवादों पर वादी (एवरेस्ट) कॉपीराइट का दावा कर रहा है, वे उसकी मूल रचना नहीं हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि अदालत कोई अंतरिम राहत देने के लिए इच्छुक नहीं है, विशेषकर तब जब कोई फिल्म कुछ दिनों में रिलीज होने वाली हो, और यह स्पष्ट हो कि वादी ने अदालत से संपर्क करने के लिए शीघ्र कदम नहीं उठाए। मांजरेकर और फिल्म के निर्माताओं ने कॉपीराइट उल्लंघन के आरोपों को झूठा बताते हुए याचिका का विरोध किया। मांजरेकर ने कहा कि एवरेस्ट 'छत्रपति शिवाजी महाराज' या 'शिवाजी राजेभोसले' नाम पर किसी भी अधिकार का दावा नहीं कर सकती।

बीईएमएल और डीसीआईएल ने 350 करोड़ रु. के तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए

मुंबई/दक्षिण भारत। बीईएमएल और ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) ने 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के दौरान लगभग 350 करोड़ रुपए के तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। बीईएमएल के एसबीयू - एयरोस्पेस एवं मैरीटाइम प्रमुख कमांडर आरजीके राव और डीसीआईएल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कैप्टन एस दिवाकर द्वारा बीईएमएल लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय और डीसीआईएल के अध्यक्ष डॉ. एम अंगमुथु की मौजूदगी में समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। इन समझौता ज्ञापनों में डीसीआईएल ड्रेजरों के लिए स्वदेशी पुर्जों की आपूर्ति, पांच अंतर्देशीय कटर सक्शन ड्रेजरों की डिज़ाइन और निर्माण, जलाशयों की गाद निकालने और अंतर्देशीय जलमार्ग विकास में सहायता के मकसद से केबल ड्रेजर, लंबी दूरी के उत्खनन यंत्र और अनुकूलित ड्रेजिंग समाधानों की आपूर्ति शामिल है। इस अवसर पर शांतनु रॉय ने कहा, 'यह साझेदारी समुद्री और ड्रेजिंग क्षेत्रों में भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। डीसीआईएल के साथ मिलकर हम आत्मनिर्भरता बढ़ाने और देश की समुद्री विकास गाथा को नए आयाम देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है देव दीपावली : आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि देव दीपावली काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है और यह पर्व भारत की उस अनादि परंपरा का सजीव प्रतीक है, जहां दीप केवल ज्योति नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और राष्ट्रवाद के प्रतीक हैं।योगी आदित्यनाथ पांच नवंबर को वाराणसी में आयोजित होने वाली देव दीपावली-2025 की तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा के लिए लखनऊ में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि काशी की देव दीपावली का आयोजन इस प्रकार किया जाए कि यह भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आध्यात्मिक चेतना का विश्व संदेश बने।मुख्यमंत्री ने कहा, ''देव दीपावली काशी की सनातन परंपरा, गंगा आराधना और लोकआस्था का अद्वितीय संगम है। यह पर्व भारत की उस अनादि परंपरा का सजीव प्रतीक है, जहां दीप केवल ज्योति नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और राष्ट्रवाद के प्रतीक हैं।''

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि देव दीपावली से पूर्व एक से चार नवंबर तक आयोजित होने वाले गंगा महोत्सव और देव दीपावली के मुख्य आयोजन की सभी तैयारियां समयबद्ध, सुव्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि घाटों की प्रकाश सज्जा, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जन सहभागिता की तैयारियां इस प्रकार हों कि श्रद्धा, अनुशासन और सौंदर्य का संतुलन प्रदर्शित हो।योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए, ''गंगा तट पर दीपदान का दृश्य श्रद्धा और अनुशासन की मिसाल बने, इसके लिए घाटों पर भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या अवरोध न हो।''मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग, नगर निगम, पुलिस, जल पुलिस, संस्कृति विभाग, सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग और स्वास्थ्य विभागों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे अपनी जिम्मेदारी के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि घाटों, गलियों और प्रमुख मार्गों की सफाई और सजावट पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा प्रत्येक घाट पर पर्याप्त सफाईकर्मी तैनात रहें।

योगी ने निर्देश दिया कि नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे सक्रिय रहे और कमांड सेंटर से सीसीटीवी के जरिए निरंतर निगरानी की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त शौचालय, पेयजल व्यवस्था, चिकित्सीय सहायता और प्राथमिक उपचार केंद्र उपलब्ध कराए जाएं। घाटों के समीप आपातकालीन नौका और एम्बुलेंस सेवाएं भी सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें जीवनरक्षक जैकेट', पंजीकरण टैग और निर्धारित मार्ग की जानकारी दी जाए।

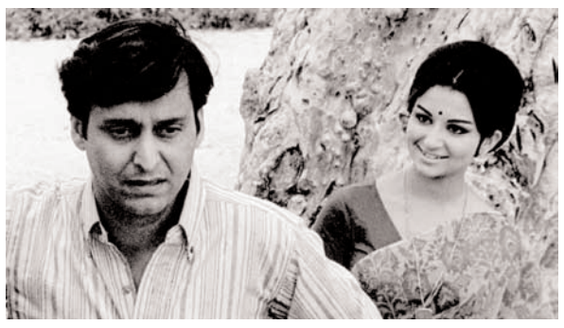

सत्यजीत रे की 'अरण्येर दिन रात्रि' सात नवंबर को कोलकाता में दिखाई जाएगी

कोलकाता/भाषा

डिजिटल तकनीक की मदद से संरक्षित और मई में कान फिल्म महोत्सव में दिखाई गई सत्यजीत रे की क्लासिक फिल्म 'अण्येर दिन रात्रि' सात नवंबर को यहां कोलकाता के प्रिया सिनेमा में दिखाई जाएगी।

थिएटर के मालिक और फिल्म निर्माता के परिवार के सदस्य अरिजीत दत्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन' और 'द फिल्म फाउंडेशंस वर्ल्ड सिनेमा प्रोजेक्ट' के सहयोग से इस फिल्म को संरक्षित करने का काम इटली के बोलोग्ना में 'लिमैजिन रिट्रोवाटा' में किया गया और रे के निर्देशक पुत्र संदीप एवं दत्ता परिवार ने संरक्षण कार्य को मंजूरी दी। संरक्षण की प्रक्रिया के दौरान 'अरण्येर दिन रात्रि' की फिल्म पर चढ़ी धूल, खरोंच और डिजिटल रूप से धुंधली तस्वीरों जैसी समस्याओं को दूर किया गया जबकि कुछ खंडों में ध्वनि की गुणवत्ता में सुधार के लिए बीएफआई (ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट) राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा संरक्षित 'मैग्नेटिक ट्रैक' का उपयोग किया गया।

कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (केआईएफएफ) के एक अधिकारी ने बताया कि फिल्म के संरक्षित स्वरूप को पहली बार सात नवंबर को प्रिया सिनेमा में विशेष स्क्रीनिंग के दौरान दिखाया जाएगा। इसके बाद आठ नवंबर को कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में महान फिल्मकार को श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य द्वारा संचालित 'सिंगल स्क्रीन कॉम्प्लेक्स' नंदन में इसकी स्क्रीनिंग की जाएगी। दत्ता ने कहा कि संरक्षित फिल्म को कुछ अन्य सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा।

अखिल भारतीय फिल्में बांध लेने वाली कहानियों पर नहीं दे रही हैं जोर: राम गोपाल वर्मा

मुंबई/भाषा

'सिवा' के जरिये तमिल फिल्मों में पदार्पण करने वाले निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा का कहना है कि आज की कई अखिल भारतीय फिल्में दर्शकों को बांध लेने वाली कहानियों के बजाय आंख को भाने वाले तड़क-भड़क भरे पक्षों पर अधिक जोर दे रही हैं। वर्मा अगले महीने 'सिवा और इसका हिन्दी संस्करण 'शिवा' थिएटरों में फिर से जारी करेंगे।

हैदराबाद में जन्मे फिल्म निर्माता ने कहा कि उनकी 1989 की पहली फिल्म समय की कसौटी पर खरी उतरी है क्योंकि इसमें नायक को एक सामान्य व्यक्ति के रूप में दिखाया गया था। फिल्म में नागार्जुन ने एक कॉलेज छात्र की भूमिका निभाई थी, जो स्थानीय गुंडों, राजनेताओं और एक भ्रष्ट छात्र नेता के गठजोड़ से मुकाबला करता है।

वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, तथाकथित बड़े बजट और अखिल भारतीय फिल्मों के साथ मेरी समस्या यह है कि ये कहानी को प्रभावी बनाने के लिए परिवेश में विश्वसनीयता लाने करने के बजाय, पूरा जोर निर्माण संबंधी पक्षों को दिखाने में लगा देते है। मुझे लगता है कि वे गलत दिशा में जा रहे हैं। वे आपको स्थानों, सेट और हर प्रकार के स्टंट से प्रभावित करना चाहते हैं।

फिल्म शिवा के एक लोकप्रिय दृश्य का उदाहरण देते हुए वर्मा ने कहा कि लोगों को आज भी वह पल याद है जब नागार्जुन का किरदार गली में गुंडों से लड़ने के

लिए साइकिल की चेन तोड़ता है।

उनके अनुसार, नायक सिर्फ एक साधारण आदमी था जो असाधारण परिस्थितियों में पहुंच गया था।

वर्मा ने कहा, अगर आप आम मसाला फिल्मों को देखें, तो नायक तेज पृष्ठभूमि संगीत, धीमी गति, 'एलीवेशन शॉट्स' और इस तरह की चीजों के साथ आता है; वह पहले फ्रेम से ही नायक होता है। फिर उसकी कहानी का क्या मतलब? आपको पहले से ही पता है कि वह सौ लोगों को पीटेगा, वह कोई असुरक्षित आदमी नहीं है।

वर्मा ने कहा कि शिवा एक विश्वसनीय कहानी है जो किसी भी संघर्ष वाली स्थिति में हो सकती है और फिर भी प्रासंगिक बनी रह सकती है। उन्होंने कहा, आप शिवा के किरदार को किसी भी कहानी में ले जा सकते हैं क्योंकि वह डर के आगे नहीं झुकता।

उसका साहस इस बात से नहीं आता कि वह खुद को नायक मानता है बल्कि उन परिस्थितियों से आता है जिनसे वह ऊपर उठता है। इस तरह के किरदार को किसी भी कहानी में डाला जा सकता है। उन्होंने कहा, 'साथ ही मुझे नहीं लगता कि कालावधि महत्वपूर्ण है, आप चीजों को बदल सकते हैं; जैसे कॉलेज के बजाय, आप इसे अंडरवर्ल्ड में डाल सकते हैं, या यूनियनों में, या जहां भी अशांति या किसी तरह की धमकी मिल रही हो। जिस पल आप शिवा के किरदार को लाते हैं, चीजें बदल जाएंगी।' उन्होंने कहा कि फिल्म को उनके कॉलेज के अनुभवों ने आकार दिया था। वर्मा ने कहा कि वह सनी देओल की अर्जुन, ब्रूस ली की द वे ऑफ द ड्रैगन और द फाउंटेनहेड फिल्मों से भी प्रेरित हैं।

वर्मा ने कहा, ''मैंने कॉलेज खत्म ही किया था और 'शिवा' में (फिल्माए) कई दृश्यों और मौजूद किरदारों को अपनी आंखों से देखा था। मुझे लगा कि यह बहुत जोड़ने वाली बात होगी क्योंकि लोग हमेशा इसके बारे में बात तो करते थे लेकिन आपको ऐसी बातों को कभी पर्दे पर देखने को नहीं मिला।

फिल्म निर्माता ने कहा कि 14 नवंबर को फिल्म की पुन: रिलीज सिर्फ एक और स्क्रीनिंग नहीं है, यह नागार्जुन के दिवंगत पिता, अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) की 101वीं जयंती पर उनको दी जाने वाली श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि इसे फिल्म निर्माता कंपनी अन्नपूर्णा स्टूडियोज की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर दोबारा रिलीज किया जा रहा है।

इस फिल्म में नागार्जुन की अभिनेत्री पत्नी अमला, रघुवरन के साथ जे डी चक्रवर्ती भी थे, जिन्होंने 1998 में वर्मा की बहुचर्चित सत्या में मुख्य भूमिका निभाई थी।

फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' अगले साल रिलीज होगी

नयी दिल्ली/भाषा

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनीत फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' 19 मार्च 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी। निर्माता शेनिल देव द्वारा निर्देशित यह पहली फिल्म है। उन्होंने शेष के साथ मिलकर पटकथा लिखी है। फिल्म एक अपराधी की कहानी है जो उसे धोखा देने वाली अपनी पूर्व प्रेमिका से बदला लेना चाहता है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी। ठाकुर ने अपने 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट के साथ यह खबर साझा की, जिसमें फिल्म के पोस्टर के साथ रिलीज की तारीख लिखी हुई थी। उन्होंने लिखा कि 'डकैत' 19 मार्च 2026 को हिंदी और तेलुगु में दुनिया भर में रिलीज होगी। फिल्म को पहले दिसंबर में रिलीज किया जाना था।

मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं : आयुष्मान खुराना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता आयुष्मान खुराना की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'थामा' ने 100 करोड़ रुपये का कलेक्शन पार कर लिया है। फिल्म के 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने से आयुष्मान बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी अभिनेता के लिए यह बहुत बड़ी बात होती है जब उनकी फिल्म व्यावसायिक रूप से सफल होती है। आयुष्मान ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, ''फिल्म की व्यावसायिकता मेरे लिए बहुत खास अनुभव है। मैंने अपनी फिल्मों में हमेशा नए और अलग तरह के कंटेंट को प्राथमिकता दी है और 'थामा' की सफलता ने यह साबित कर दिया कि दर्शक ऐसे कंटेंट को पसंद करते हैं।'

' बता दें कि आयुष्मान के लिए यह फिल्म उनकी पांचवीं फिल्म है जो 100 करोड़ क्लब में शामिल हुई है। अब तक उनकी अन्य सफल फिल्मों में 'ड्रीम गर्ल' ने 142.26 करोड़ का कलेक्शन किया। 'ड्रीम गर्ल 2' ने 104.90 करोड़ की कमाई की, 'बधाई हो' ने 137.61 करोड़ का कलेक्शन दर्ज किया और 'बाला' ने 116.81 करोड़ की कमाई कर दर्शकों का दिल जीता। अब 'थामा' ने भी 103.50 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है।अभिनेता ने कहा, ''जब दर्शक

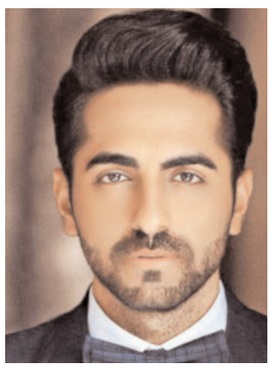

मेरी फिल्मों को पसंद करते हैं और दूसरों को सुझाते हैं और तारीफ करते हैं, तो यह मेरे लिए बेहद सुखद अनुभव होता है। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि लोगों ने मेरे काम और अभिनय को इतना प्यार दिया है।'' बता दें कि फिल्म 'थामा' में आयुष्मान खुराना के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी और रश्मिका मंदाना भी प्रमुख भूमिका में हैं। यह फिल्म एक काल्पनिक दुनिया में सेट की गई है और इसमें वरुण धवन की फिल्म 'भेड़िया' के साथ एक क्रॉसओवर भी देखने को मिलता है। 'थामा' मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है, जो कि पहले 'स्त्री', 'भेड़िया', और 'मुंज्या' जैसी फिल्मों को पेश कर चुका है। 'थामा' में आयुष्मान एक पत्रकार की भूमिका में हैं, जो आगे चलकर रश्मिका और नवाजुद्दीन के वैंपायर किरदारों के बीच संघर्ष में फंस जाते हैं।

निमृत कौर अहलूवालिया की ओटीटी पर एंट्री, शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म 'शौंकी सरदार' के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही हैं। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, ''निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो।'' सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है।सूत्र ने आईएएनएस को जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी।

सोनू निगम ने डल झील को बताया 'कश्मीर का रत्न'

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर गायक सोनू निगम ने हाल ही में कश्मीर की यात्रा की और वहां की प्राकृतिक सुंदरता का लुत्फ उठाया। बुधवार को इस बात की जानकारी देते हुए अभिनेता ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। सोनू निगम ने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में गायक शिकारा पर बैठे हुए चारों तरफ पहाड़ों और खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठा रहे हैं। उन्होंने तस्वीरें पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, कश्मीर का रत्न- डल झील। तस्वीरें देख फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं और वे कमेंट सेक्शन में प्यार बरसा रहे हैं और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। बात करें कश्मीर के रत्न डल झील की, तो इसे श्रीनगर की शान और जम्मू-कश्मीर का सबसे ज्यादा आकर्षक पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां की हाउसबोट्स, शिकारे और फूलों से सजे बाजार पर्यटकों को काफी

पसंद आते हैं।

वहीं, कश्मीर और बॉलीवुड का रिश्ता लगभग 1949 से शुरू हुआ है, जब दिग्गज अभिनेता राज कपूर ने वहां पर सुपरहिट फिल्म 'बरसात' के कुछ सीन्स शूट किए थे। उसके बाद से ही कश्मीर के दृश्यों से सजी कई बॉलीवुड फिल्में रिलीज हुई थीं। बताया जाता है कि कश्मीर बॉलीवुड का मनपसंद स्पॉट भी बन गया था। यश चोपड़ा ने तो कश्मीर को रोमांस का पर्याय ही बना दिया था। उन्होंने 'कश्मीर की कली' और 'सिलसिला' जैसी कई फिल्मों के सीन्स डल झील और गुलमर्ग में ही शूट किए थे। गीत-संगीत भी यहां की सुंदरता से प्रेरित थे। 'ये चांद सा रोशन चेहरा' से लेकर 'जरा सी आहट होती है' तक, कश्मीर ने अनगिनत हिट गाने दिए हैं। सोनू निगम को 'आधुनिक रफी' के नाम से जाना जाता है। करियर की शुरुआत में उन्होंने कई एल्बम में मोहम्मद रफी के गाने गाए और इससे उन्हें काफी लोकप्रियता भी मिली। हिंदी और कन्नड़ के अलावा, उन्होंने बंगाली, मराठी, तेलुगू, तमिल, उड़िया, अंग्रेजी, असमिया, मलयालम, गुजराती, भोजपुरी, नेपाली, तुलु, मैथिली और मणिपुरी में भी गीत गाए हैं।

करुणा, सेवा और संरक्षण का दिव्य संदेश है गोपाष्टमी : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने अपने प्रवचन में कहा कि गोपाष्टमी केवल गौपूजन का पर्व नहीं, यह संवेदना, सहअस्तित्व और अहिंसा का उत्सव है। गौ माता हमारी संस्कृति, कृषि और आध्यात्मिक जीवन की आधारशिला हैं। उनका संरक्षण और सेवा हमारे जीवन का परम कर्तव्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का मानव भौतिक सुखों की खोज में इतना व्यस्त है कि करुणा और सेवा के सच्चे अर्थ को भूलता जा रहा है। गोपाष्टमी हमें यह स्मरण कराती है कि जब तक हम प्रत्येक प्राणी में आत्मा का सम्मान नहीं करेंगे, तब तक सच्चे धर्म की स्थापना संभव नहीं। गौ माता केवल एक पशु नहीं, बल्कि समस्त सृष्टि की पालनहार शक्ति हैं। उनका दूध, उनका स्नेह और उनका योगदान मानवता के अस्तित्व से गहराई से जुड़ा है। गौ की सेवा करना, वास्तव में अपने जीवन को पवित्र करना है, मुनिश्री ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में जहाँ पर्यावरण असंतुलन और हिंसा का विस्तार हो रहा है, वहाँ गौ संरक्षण केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं बल्कि सामाजिक और पारिस्थितिक आवश्यकता है। उन्होंने आह्वान किया कि हर व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय गौ सेवा के लिए निकाले, जल-चारा अर्पित करे, और अपने बच्चों में भी पशु-प्रेम और संवेदना का संस्कार जगाए।

संतश्री ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने सामर्थ्य अनुसार गौ सेवा में सहभागिता अवश्य करनी चाहिए।यदि कोई व्यक्ति अधिक संसाधन न रखता हो, तो भी सेवा, अन्नदान या संरक्षण के रूप में योगदान अवश्य दे, क्योंकि गौ सेवा की महिमा असीम है।

यह न केवल पुण्यदायक है, बल्कि पूर्व जन्मों के पाप, श्राप और संताप को भी नष्ट करने वाली मानी गई है। गौमाता की सेवा से मन में शांति, हृदय में करुणा और जीवन में सुकून प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि जहाँ करुणा है, वहीं धर्म है। जहाँ सेवा है, वहीं सच्ची साधना है और जहाँ संरक्षण है, वहीं परमात्मा का वास है। गोपाष्टमी का यह पर्व केवल बाहरी पूजा तक सीमित न रह जाए, बल्कि यह हमारे जीवन का आचरण बन जाए यही सच्ची भक्ति है।प्रवचन का शुभारंभ रूपेशमुनिजी के मधुर भजनों से हुआ। उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

श्रावक के बारह व्रत मर्यादित जीवन जीने की साधना है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मर्यादित जीवन जीने की प्रेरणा देते हुए श्रावक के बारह व्रतों की परिपालना के लिए सभी बारह व्रतों के बारे में समझाया और अंत में सभी श्रद्धालुओं को अपने जीवन में श्रावक के बारह व्रत नियम पालन का सामूहिक संकल्प शपथ ग्रहण करवाया। मुनिश्री ने कहा कि संसार से संकुचित होने के लिए श्रावक के मर्यादित जीवन शैली के लिए भगवान महावीर ने देशविरति गृहस्थ धर्म का पालन करने वाले श्रावक श्राविकाओं के लिए उनके जीवन में बारह व्रतों के पालन का विधान बतलाया है। बारह व्रतों के धारण करने से समुद्र जितने पाप को एक बूंद जितना सीमित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि श्रावक के बारह व्रतों को धारण करना उनके संपूर्ण जीवन के लिए सुरक्षा रूपी लाइफ इंश्योरेंस जीवन बीमा करवाने के समान है। उन्होंने कहा कि बारह व्रतों को धारण धारण करने वाला पांचवें गुणस्थान को प्राप्त करते हुए श्रमणोपासक कहलाने का अधिकारी बन जाता हैऔर उसके समुद्र जितना पाप बूंद जितना रह जाता है। जैन दर्शन में त्याग को जीवन एवं आत्म कल्याण का महत्वपूर्ण अंग माना गया है। भोग में आसक्ति, रोग का कारण है। त्याग में संतुष्टि , अनासक्ति, सुख का कारण है। श्रावक को मर्यादित जीवन जीने के लिए तीर्थंकर परमात्मा ने उनके लिए पापों से बचने हेतु श्रावक धर्म में 12 व्रतों की व्यवस्था रूप उन व्रतों की परिपालना का उपदेश दिया है। उन्होंने साधु जीवन को मोती की तरह तो श्रावक जीवन को सोने की तरह बतलाया।

मुनिश्री ने गृहस्थ जीवन को नियमित एवं धर्म से नियंत्रित रखने के लिए जैन दर्शन में वर्णित एक आचार संहिता रूप श्रावक के चौदह नियम पर भी सारगर्भित प्रकाश डालते हुए उन नियमों के प्रतिदिन परिपालना की श्रद्धालुओं को प्रेरणा दी। शालिभद्र मुनिजी ने कार्यक्रम का संचालन किया। समिति के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने बताया कि शुक्रवार को नरेशमुनिजी के सान्निध्य में कर्नाटक गजकेसरी श्री गणेशलालजी की 146 वीं जयंती मनाई जाएगी।

मुलबागल में विशालकाय सूर्य प्रतिमा मंदिर का हुआ भूमि पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में गुरुवार को बेंगलूरु से 85 किलोमीटर दूर मुलबागमल में लगभग चौदह एकड़ भूमि पर प्रस्तावित विश्व की सबसे ऊँची भगवान भास्कर की मोनोथिक (एक शिला से निर्मित) प्रतिमा का राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी संतोष शर्मा के मुख्य यजमानत्व में विद्वान आचार्य नवीन के नेतृत्व में भूमिपूजन का विधि विधान किया गया। सबसे पहले गणपति पूजा, गंगा पूजा, पुण्य वाचन, नादिमातृका, नवग्रह कलश स्थापना, सूर्यनारायण स्वामी पूजा, अष्टदिकपाल पूजा, भूमिपूजन, शंख स्थापना, पंचामृत अभिषेक, सर्वतोभद्रा मंगल पूजा, सर्वदेव यज्ञ एवं बलि पूजा आदि अनुष्ठान किए गए।

सुनील शर्मा ने बताया कि शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के इतिहास में यह स्थान एक ऐतिहासिक स्थान बनेगा जहाँ मुख्य आराध्य भगवान भास्कर की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के साथ एक ही स्थान पर शक्ति स्वरूपा सोलह गोत्र की कुलदेवियों के मंदिरों का निर्माण होगा।

भूमि पूजन के पश्चात भक्ति संध्या का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायक अनिल सिसोदिया एवं पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर 'ॐ भास्कराय नमः' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में शर्मा दम्पति का सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर कुवेरा ने सुनील शर्मा द्वारा किए जा रहे समाजहित के कार्यों की सराहना की। इस अवसर रमेश शमा, हरीश शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, अशोक मथुरिया, हनुमानप्रसाद, नरेश शर्मा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

ज्ञान, दर्शन, चरित्र के साक्षात् परिचय थे मुनिश्री चांदमल : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में स्वामी मुनि चांदमलजी के पुण्यस्मृति प्रसंग पर साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि मुनि चांदमल जी ने जीवन को ही संयम का पर्याय बना लिया था। अनेक दुर्गम परिषहों को सहन कर वे अपने शिष्य समुदाय के साथ दक्षिण भारत पधारे थे। उनकी संयम यात्रा निष्कलंक थी और ज्ञान, दर्शन, चरित्र के वे साक्षात परिचय थे।

अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि मुनि चांदमलजी स्वाध्याय प्रेमी, प्रबल पुरुषार्थी और शांत प्रकृति के धनी थे। पिता के आकस्मिक देहावसान के बाद माता ने बालक ने धर्म के संस्कार डाले और गुरु जनों के सत्संग में रखा। गुरु जनों के सत्संग से संतान भले ही संत न बने किंतु एक अच्छा इंसान तो जरूर बन जाते हैं। गुरु नथमल जी के पास दीक्षा ले कर मुनि चांदमल ने जीवन को तप और स्वाध्याय से अलंकृत किया और मुंबई विलेपार्ले में समाधि मरण को प्राप्त हुए। प्रवचन में केजीएफ संघ की ओर से संजय दुगड़ ने आगामी चातुर्मास के लिए निवेदन किया। 720 प्रश्नों की बड़ी साधु वंदना प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा करते हुए पुरस्कार प्रायोजक सुरेशचंद शशिकला बागरेचा ने 97 वर्षीय वयोवृद्ध श्राविका मदनबाई बोहरा को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि स्वामी चांदमल जी ने वर्ष 1966 में अलसूर में चातुर्मास किया था और उनके साथ के चारों संत आचार्य बने। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

दानी मनुष्य का तीनों लोक में होता है गुणगान : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आगम के ग्रंथों में संसार से तिरने का उपाय बताया गया है। चार प्रकार के धर्म बताए गए हैं। नाव में अगर पानी आ जाए तो पानी को बाहर निकाल देते हैं। उसी प्रकार अगर कमाई है तो दान,धर्म करते रहो। दिल बड़ा रख कर दान करते रहो। जिसका दिल बड़ा होता है वह दान करता रहता है। अगर अच्छा समय है तो दान-पुण्य करते रहना चाहिए।

यहां से सभी को एक दिन जाना है, इसलिए जब तक यहां रहते हो दान करते रहो। जिसको जरूरत है उसको देना बहुत पुण्य का काम है। जीवन में अगर है तो किसी को ना मत करो। अगर नहीं है तो कोई बात नहीं, लेकिन है तो किसी के काम आना चाहिए। आप जितना दान करोगे उतना ही सुख शांति प्राप्त होगी। दानी मनुष्य का तीनों लोक में गुणगान होता है। दान सबसे महान होता है। ऊंची गति में जाने का दान ही प्रथम सोपान है। संसार में आए हो तो दान करते रहना चाहिए। यह भव बहुत ही दुर्लभ है। ऐसा मौका मिला है तो दान कर जीवन को सफल बना लेना चाहिए। अपना हाथ हमेशा दान के लिए उठाना चाहिए।

एक ही परिवार के तीन सदस्य लेंगे संयम, साधुमार्गी संघ ने किया सम्मान

आचार्यश्री रामेश के सान्निध्य में मुमुक्षुओं की होगी दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के साधुमार्गी जैन संघ द्वारा मुमुक्षु प्रवीण, मुमुक्षु प्रीति, मुमुक्षु ताश्वी दक का सम्मान किया गया। इस आयोजन में मुमुक्षु प्रवीणकुमार ने कहा कि मनुष्य जन्म, आर्यकुल, जिनवाणी श्रवण, और सत्गुरु का समागम अनंत पुण्यवानी से प्राप्त होता है। मनुष्य जन्म में संयम साधना करके अनंत सुख को प्राप्त कर सकते हैं। जो संयम साधना के मार्ग पर नहीं बढ़ पा रहे हैं, उनका कर्तव्य है कि वे धर्म संघ की सेवा में अपनी अधिक से अधिक शक्ति का सदुपयोग करें। उन्होंने माता पिता के अनंत उपकार का भी सुंदर वर्णन किया। मुमुक्षु प्रीति दक ने कहा कि संसार में सबसे कठिन है अपने अंतर के शत्रु क्रोध, मान, माया, लोभ पर विजय प्राप्त करना। संयम हमारे अपने स्वरुप की प्राप्ति का साधन है। मुमुक्षु ताश्वी दक ने कहा कि हम ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय और तप आराधना में अधिक से अधिक रुचि लें एवं साधु साध्वी भगवंतों के सान्निध्य एवं सेवा का पूरा लाभ लें।

तीनों मुमुक्षुओं की दीक्षा 3 नवंबर को आचार्यश्री रामेश के सान्निध्य में जैन भागवती दीक्षा देशनोक राजस्थान में संपन्न होगी। अभिनंदन समारोह में समता महिला मंडल की सदस्याओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संघ के मंत्री महावीरचंद चोपड़ा ने स्वागत किया। मुमुक्षु प्रवीण दक का सम्मान संघ के अध्यक्ष सुंदरलाल सिपानी, मंत्री महावीरचंद चोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चोपड़ा, समता प्रचार संघ के संयोजक जसवंतकुमार मांडोत, राष्ट्रीय मंत्री इंदरचंद सिपानी, मुमुक्षु प्रीति दक का सम्मान समता महिला मंडल की अध्यक्ष गीता दक, मंत्री ज्योति धोका, कोषाध्यक्ष राधा पितलिया एवं मुमुक्षु सुश्री ताश्वी दक का समता बहुमंडल की अध्यक्ष नेहा कांकरिया, मंत्री ज्योति बोथरा, कोषाध्यक्ष काजल बोथरा ने किया। अनेक श्रावकों ने अपने विचार व्यक्त किए। साधुमार्गी जैन संघ बेंगलूरु के मार्गदर्शक कमल सिपानी एवं समता युवा संघ के अध्यक्ष हर्षुल सोनी, मंत्री मोहित रांका, कोषाध्यक्ष अभिषेक श्रीमाल एवं महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक किशोरकुमार कर्नावट आदि ने शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

जीतो जेबीएन वी-कनेक्ट की बैठक में हुई व्यवसायिक चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जीतो जेबीएन वी कनेक्ट के पाँचवें कार्यकाल की पहली बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में आयोजित की गई। इस अवसर पर लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, उपाध्यक्षसुमन सिंघवी, कोषाध्यक्ष एवं स्वयमं संयोजक तनुजा मेहता, सहमंत्री सुमन रांका, मीना बडेरा सहित समिति सदस्याएं उपस्थित थीं।की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में मीना जैन एवं सीए सुखदेवी जैन को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इसके पश्चात नई नेतृत्व टीम रेफ़रल हेड लीला पितलिया, रेफ़रल लीड मीनू जैन और रेफ़रल सचिव संगीता जैन द्वारा ई-कॉमर्स रोस्टर शीट का औपचारिक विमोचन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में मल्टी-एंटरप्रेन्योर एवं बिज़नेस ग्रोथ स्पेशलिस्ट प्रमोद बाफना ने 'सोलो टू सिनर्जी' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। जैविका ज्वेलरी के संस्थापिका नितिका टोंगिया ने अपने व्यवसाय के बारे में जानकारी दी। अंत में सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड पिच का पुरस्कार निकिता जैन, सर्वश्रेष्ठ परिधान का पुरस्कार पायल जैन तथा सर्वाधिक व्यवसाय देने के लिए रंजना दोदिया को दिया। कार्यक्रम में आगामी 'उड़ान' ट्रेड फेयर की जानकारी साझा की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दीपावली मिलन

जीतो हुब्बल्ली चैप्टर के तत्वावधान में जीतो जेबीएन मार्वल्स ने दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन एक होटल में किया। इस आयोजन में भारतीय बिज़नेस स्टाइल से प्रेरित भारतीय व्यापार और उद्यमिता की झलक दिखाई दे रही थी। इस आयोजन में क्रिएटिव और इंटरैक्टिव बिज़नेस गतिविधियां शामिल थीं। आयोजन की संयोजिका एकता मोमाया ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। अमन मेहता ने सभी का स्वागत किया।

मातृछाया महिला संगठन ने कैंसर रोगियों को वितरित किए वाटर फ्लास्क एवं टिफिन बॉक्स

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। 'मातृछाया' जैन महिला संगठन द्वारा किदवई मेमोरियल इंस्टिट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी हॉस्पिटल में मानव सेवा कार्य के तहत उपचाराधीन लगभग 400 रोगियों को स्टील वाटर फ्लास्क एवं टिफिन बॉक्स भेंट किए। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि सेवा में साधना है और करुणा में ईश्वर है, जब हम किसी पीड़ित को सहायता देते हैं, तो वह हमारी करुणा, संवेदना और प्रेम का प्रतीक होती है। मानव सेवा सच्चा धर्म है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि मातृछाया का यह प्रयास रोगियों के भीतर जीवन की उम्मीद और हिम्मत को जगाने का छोटा सा कदम है। कार्यक्रम संयोजिका मीना सोलंकी, मंजु ओस्तवाल और रेणु रायगांधी सहित अनेक सदस्याओं ने अपने हाथों से मानवसेवा की। अस्पताल के सोशियल वेलफेयर आफिसर किरण कुमार ने मातृछाया के सेवा कार्य की सराहना की। किदवई के अधिकारी डा. अरुणकुमार ने महिलाओं से ब्लड कैंसर मरीजों के लिए दवाइयां उपलब्ध कराने का निवेदन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गोपाष्टमी महोत्सव : बेंगलूरु के बोम्मनहल्ली के सत्वा ग्रीनऐज सोसाइटी में गुरुवार को ग्रीनेज गौ सेवा समिति के तत्वावधान में गोपाष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समिति ने श्री कृष्ण गौशाला बेगूर से गायें लाई और सोसाइटी में रहने वाले परिवारों की महिलाओं,बच्चों व युवाओं ने बढ़ चढ़कर अपने आस्था और संस्कारों के अनुरुप पूरे विधि विधान से गौ माता की पूजा किया गौमाता को छप्पन भोग अर्पण किया। परिवारजनों ने गौशाला में गोसेवार्थ सहयोग किया ।

समाज की एकजुटता के लिए 'आईवीएफ' का क्रिकेट टूर्नामेंट कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलुरु। इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन(आईवीएफ) के तत्वावधान में शनिवार से एचएमटी ग्राउंड, जालहल्ली में दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य विभिन्न वैश्य समाजों के युवाओं को एक मंच पर लाकर आपसी परिचय, नेटवर्किंग और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर आयोजित बैठक में कर्नाटक प्रेसीडेंट रविशंकर, नेशनल वर्किंग अध्यक्ष बिपिनराम अग्रवाल, महिला विंग अध्यक्ष रितु अग्रवाल तथा सचिव सबरिश उपस्थित थे। संयोजक राजेश कुमार ने मैच के नियमों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। संयोजक सुरेश जालान ने धन्यवाद दिया।

दुखी पिता की वायरल पोस्ट के कारण बेंगलूरु में एसआई और कांस्टेबल निलंबित

बेंगलूरु। एक शोकाकुल पिता की सोशल मीडिया पोस्ट के वायरल होने के बाद एक पुलिस उप-निरीक्षक और एक आरक्षक को निलंबित कर दिया गया है। पोस्ट में उसने पुलिस की कथित हैरान करने वाली भ्रष्टाचारपूर्ण हरकतों और उत्पीड़न का जिक्र किया था। शिवकुमार के, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सेवानिवृत्त मुख्य वित्त अधिकारी हैं। उन्होंने सितंबर में अपनी 34 वर्षीय बेटी की ब्रेन हैमरेज से मौत के बाद हुए अनुभव को लिंक्डइन पर साझा किया था। अब यह पोस्ट हटा दी गई है। पोस्ट में शिवकुमार ने आरोप लगाया था कि उन्हें हर चरण पर रिश्वत देनी पड़ी, एम्बुलेंस, प्राथमिकी की कॉपी, अंतिम संस्कार और डेथ सर्टिफिकेट (कॉरपोरेशन स्टाफ को) के लिए भी। उन्होंने बेलंदूर पुलिस थाने के एक अधिकारी और एक पुलिसकर्मी पर रिश्वत मांगने और अहंकारपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया था। उन्होंने लिखा था, 'मेरे पास पैसे थे, मैंने दे दिए, लेकिन गरीब लोग क्या करेंगे?'

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**